www.bharatsamvad.live

R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

सोशल मीडिया पर भारत संवाद
https://x.com/BharatSamvad
www.facebook.com/bharatsamvad.in
www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n
E-Paper bharatsamvad.live

मौसम

अधिकतम तापमान 34.c

25.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 88.410g

चांदी 91.500 kg

2 विदेशी हस्तक्षेप की राह रोकना जरूरी, अमेरिकी सहायता पर बहस जारी

गौ तस्करी गैंग सक्रिय 04

वर्ष :08 | अंक :242 | मुंबई ,रविवार ,23 फरवरी , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

जंगल से विस्फोटक और नक्सली सामान बरामद

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षाबलों ने जंगल में छापेमारी कर विस्फोटक और अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के चिंतागुफा थाना क्षेत्र के अंतर्गत चिंतावागु नदी के करीब गुंडराजगुडेम गांव के जंगल क्षेत्र से बड़ी संख्या में हथियार और अन्य सामान बरामद किया है। उन्होंने बताया कि चिंतागुफा थाना क्षेत्र में नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना पर शुक्रवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल का कोबरा बटालियन और जिला बल के संयुक्त दल को पीनाचंदा, गुंडराजगुडेम गांव और चिंतावागु नदी क्षेत्र के जंगल में रवाना किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि दल जब अभियान के दौरान गुंडराजगुडेम गांव से लगभग डेढ़ किलोमीटर दूर चिंतावागु नदी के तट पर स्थित घने जंगल में था तब उसे नक्सलियों द्वारा छुपाकर कर रखे गए विस्फोटक और अन्य सामान मिले। उन्होंने बताया कि सुरक्षाबलों ने जंगल से दो देशी हथियार, एक दूरबीन, 50 मल्टीपल मेडिसिन स्ट्रिप, पांच इंजेक्शन, 12 इंजेक्शन सिरिंज, 50 ग्राम विस्फोटक पाउडर, नक्सली साहित्य और अन्य सामान बरामद किया है। अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ अभियान जारी है।

पश्चिम बंगाल के बीरभूम में तृणमूल कार्यकर्ता की पीट-पीटकर हत्या

पश्चिम बंगाल । पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शुक्रवार रात को मोटरसाइकिल सवार शेख नियामुल को कुछ लोगों ने कंकराटाला बस स्टैंड के पास रोका और फिर डंडों व पत्थरों से उसकी पिटाई की। जिला तृणमूल कांग्रेस ने हालांकि इस दावे का खंडन किया । और आरोप लगाया कि 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले आतंक फैलाने के लिए भाजपा सदस्यों ने नियामुल की हत्या की है। पुलिस ने बताया कि घायल नियामुल को सिउरी सदर अस्पताल ले जाया गया और फिर एक निजी अस्पताल भेजा गया लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। नियामुल के भाई और तृणमूल कार्यकर्ता इनामुल शेख ने आरोप लगाया कि उनके भाई की हत्या पार्टी के प्रतिद्वंद्वी गुट ने की है, जिसने पिछले लोकसभा चुनावों में भाजपा के लिए काम किया था।जिला तृणमूल कांग्रेस ने हालांकि इस दावे का खंडन किया और आरोप लगाया कि बीजेपी विभाजन को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने एक कार्यक्रम में कहा कि कुछ लोग भाषा के नाम पर देश को अलग करने की कोशिश कर रहे हैं। यदि आपको संदेह है कि हम भाषा के नाम पर देश को अलग कर देंगे, तो क्या हमें यह भी संदेह नहीं होना चाहिए कि आप धर्म के नाम पर देश को विभाजित करने की कोशिश कर रहे हैं? उन्होंने आगे चेतावनी दी कि अगर पीएम भाषा के मुद्दे पर बोलना जारी रखेंगे तो कड़ा विरोध किया जाएगा।

पीएम मोदी के प्रिंसिपल सेक्रेटरी बने शक्तिकांत दास

छह साल तक आरबीआई के गवर्नर रहे शक्तिकांत दास ने पिछले साल दिसंबर में पद छोड़ दिया था। संजय मल्होत्रा ने बुधवार को शीर्ष बैंक के 26वें गवर्नर के रूप में कार्यभार संभाला। 67 वर्षीय शक्तिकांत दास एक कैरियर राजनयिक हैं।

6 साल रिजर्व बैंक के गवर्नर रहे, दिसंबर में रिटायर हुए

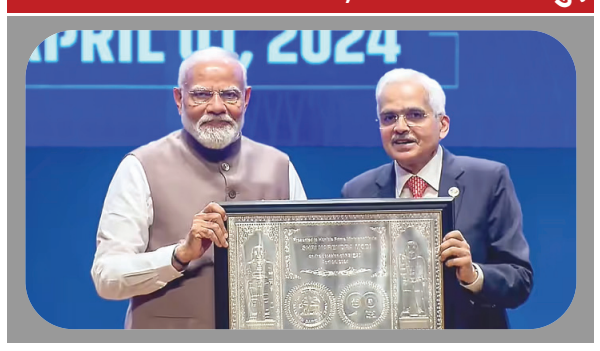

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर शक्तिकांत दास को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'प्रधान सचिव-2' नियुक्त किया गया है। केंद्र सरकार के एक परिपत्र में कहा गया है कि कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने शक्तिकांत दास, आईएएस (सेवानिवृत्त) को प्रधान मंत्री के प्रधान सचिव -2 के रूप में उनके पदभार ग्रहण करने की तारीख से नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। इसमें कहा गया है कि उनकी नियुक्ति प्रधानमंत्री के कार्यकाल के साथ सह-समाप्ति या अगले आदेश तक रहेगी। छह साल तक आरबीआई के गवर्नर रहे शक्तिकांत दास ने पिछले साल दिसंबर में पद छोड़ दिया था। संजय मल्होत्रा ने बुधवार को शीर्ष बैंक के 26वें गवर्नर के रूप में कार्यभार संभाला। 67 वर्षीय शक्तिकांत दास एक कैरियर राजनयिक हैं। उर्जित पटेल के अचानक इस्तीफा देने के बाद वह 2018 में आरबीआई गवर्नर बने। 1980 बैच के तमिलनाडु कैडर के आईएएस अधिकारी, दास के पास दिल्ली के सेंट स्टीफंस कॉलेज से इतिहास में मास्टर डिग्री और बर्मिंघम विश्वविद्यालय से सार्वजनिक प्रशासन में स्नातकोत्तर डिग्री है। वह आर्थिक मामलों के सचिव थे जब सरकार ने नवंबर 2016 में अचानक उच्च मूल्य वाले मुद्रा नोटों को बंद कर दिया था। दास ने तब महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जब कई अप्रत्यक्ष करों को एक जीएसटी में विलय कर दिया गया, जो 1 जुलाई, 2017 को लागू हुआ। शक्तिकांत दास ने छह साल तक आरबीआई गवर्नर के रूप में कार्य किया।

शक्तिकांत दास कौन सी जिम्मेदारी संभालेंगे

यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब भारत सरकार अपनी आर्थिक नीतियों और फाइनेंशियल एडमिनिस्ट्रेशन को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है. आरबीआई गवर्नर के अलावा शक्तिकांत दास वित्त, टैक्सेशन, उद्योग, बुनियादी ढांचे आदि क्षेत्रों में केंद्र और राज्य सरकारों में महत्वपूर्ण पदों पर काम कर चुके हैं. प्रधान सचिव-2 के रूप में शक्तिकांत दास प्रमुख आर्थिक और वित्तीय मामलों पर रणनीतिक सलाह देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, जिससे सरकार के निर्णय लेने के ढांचे को और मजबूती मिलेगी.

एसएलबीसी सुरंग हादसा: दो इंजीनियर समेत 8 लोग अंदर फंसे

सेना-एनडीआरएफ रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी

मुख्यमंत्री कार्यालय की एक प्रेस विज्ञप्ति में, बिना कोई संख्या बताए, संकेत दिया गया कि कुछ लोगों को चोटें आईं। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और अन्य अधिकारियों को राहत उपाय करने के लिए दुर्घटनास्थल पर पहुंचने का निर्देश दिया।

एजेंसी

तेलंगाना। शनिवार को तेलंगाना के नगरकुर्नूल जिले में श्रीशैलम लेफ्ट बैंक नहर (एसएलबीसी) के निमार्णाधीन हिस्से में एक छत का एक हिस्सा ढह जाने से छह श्रमिकों के फंसे होने की आशंका है।

पुलिस ने बताया कि निर्माण कंपनी की टीम मूल्यांकन के लिए अंदर गई है और सत्यापन कर रही है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि काम में लगी कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक छह से आठ श्रमिकों के फंसे होने की आशंका है। अधिकारी ने कहा, यह घटना तब हुई जब कुछ कर्मचारी काम के सिलसिले में अंदर गए थे, तभी सुरंग के 12-13 किलोमीटर अंदर छत गिर गई। हालाँकि, मुख्यमंत्री कार्यालय की एक प्रेस विज्ञप्ति में, बिना कोई संख्या बताए, संकेत दिया गया कि कुछ लोगों को चोटें आईं। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और अन्य अधिकारियों को राहत उपाय करने के लिए दुर्घटनास्थल पर पहुंचने का निर्देश दिया। इसमें कहा गया है कि मुख्यमंत्री के निर्देश के अनुसार, राज्य के सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी, सिंचाई पर सरकार के सलाहकार आदित्यनाथ दास और अन्य सिंचाई अधिकारी एक विशेष हेलीकॉप्टर में घटनास्थल के लिए रवाना हुए।

प्रयागराज में आस्था और कुंभी में निवेश के महाकुम्भ को देश देख रहा : सीएम योगी

संयंत्र से बनी बोतल, प्लेट, कप और कैरी बैग्स पूरी तरह से होंगे डिस्पोजेबल, 3 माह में खुद ही मिट्टी में मिल जाएंगे

- सीएम ने लखीमपुर खीरी के कुंभी चीनी मिल परिसर में 2,850 करोड़ की लागत से देश के प्रथम बायोपॉलिमर संयंत्र का किया शिलान्यास
- बोले, बायोपॉलिमर संयंत्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प को करेगा साकार

एजेंसी

लखनऊ : प्रयागराज में महाकुम्भ के पवित्र स्नान के लिए देश-विदेश के श्रद्धालु उमड़ रहे हैं, वहीं लखीमपुर खीरी में निवेश का महाकुम्भ कुंभी में देखने को मिल रहा है, जहां बलरामपुर चीनी मिल लिमिटेड द्वारा 2850 करोड़ की लागत से देश का पहला बायोपॉलिमर संयंत्र स्थापित होगा। सरकार ने देश के पहले बायोप्लास्टिक प्लांट का जो एमओयू किया था, उसे आज जमीनी धरातल पर उतारा गया है। यह अपनी तरह का देश का पहला निवेश है। यह बायोप्लास्टिक प्लांट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प को साकार करेगा। यहां बनने वाली बोतल, प्लेट, कप और कैरी बैग्स पूरी तरह से डिस्पोजेबल होंगे और महज तीन महीने में खुद ही मिट्टी में मिल जाएंगे। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लखीमपुर खीरी के कुंभी चीनी मिल परिसर में 2,850 करोड़ की लागत से देश के प्रथम बायोपॉलिमर संयंत्र के शिलान्यास कार्यक्रम में कही।

पीएम मोदी बताएं अमेरिका से 21 मिलियन डॉलर लिए या नहीं?

यूएसएआईडी को लेकर कांग्रेस ने पूछा सवाल

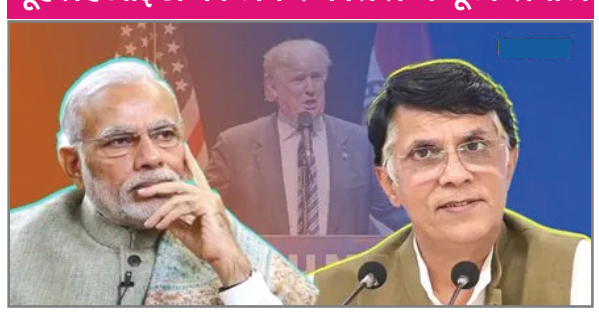

एजेंसी

नयी दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के यूएसएआईडी को लेकर किए गए दावे के बाद भारत की राजनीति में भूचाल आया हुआ है. ताजा घटनाक्रम में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने शनिवार (22 फरवरी, 2025) को सत्ताधारी दल भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और सवाल पूछा कि पीएम मोदी ये बताएं कि अमेरिका से 21 मिलियन डॉलर लिया या नहीं. प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कांग्रेस नेता ने कहा, डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि 21 मिलियन डॉलर हमने अपने दोस्त नरेंद्र मोदी को दिया है. वोटर टर्न आउट बढ़ाने के लिए भारत को 21 मिलियन डॉलर दिया गया. ये 21 मिलियन डॉलर कहां गए? क्या इसी पैसे से वोटिंग टर्न आउट बढ़ जाता है?

यूएसएआईडी के मुद्दे पर कांग्रेस नेता ने कहा कि बीजेपी राहुल गांधी और कांग्रेस को एक दिन चीन का एजेंट बताते हैं, एक दिन अमेरिका का एजेंट बताते हैं! दोनों के एजेंट कैसे हो सकते हैं?

कांग्रेस ने की श्वेत पत्र की मांग

यूएसएआईडी पर जारी सियासत के बीच डोनाल्ड ट्रंप के एक बयान के आधार पर कांग्रेस ने पीएम मोदी को घेरा और एक बार फिर श्वेत पत्र की मांग की, कांग्रेस ने पूछा पीएम बताएं कि उन्होंने अमेरिका से 21 मिलियन डॉलर लिए या नहीं? सरकार श्वेत पत्र जारी कर बताए कि सत्तर सालों में यूएसएआईडी ने किस किस संगठन को कितना पैसा दिया.

सरकार बताए किसे मिली अमेरिका से मदद

उन्होंने आगे कहा, इंडियन एक्सप्रेस ने खुलासा किया कि 21 मिलियन डॉलर भारत नहीं बल्कि बांग्लादेश गया. वाशिंगटन पोस्ट की खबर है कि उनकी जांच में ऐसा कुछ नहीं मिला. 20012024 के बीच यूएसएआईडी ने लगभग 113 करोड़ रुपये सालाना के हिसाब से पैसा भारत भेजा. इनमें से 44% मोदी सरकार के समय आया. करीब 40% कांग्रेस सरकार के समय आया. इसमें से एक चौथाई रकम बीते चार साल में आई. सरकार बताए कि यूएसएआईडी का पैसा किसे मिला?

हम अलगाववादी नहीं, लेकिन आप हमें मजबूर कर रहे :डीएमके सांसद ए राजा

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि भारत की भाषाओं के बीच कभी कोई दुश्मनी नहीं रही है क्योंकि वे एक-दूसरे को प्रभावित और समृद्ध करती हैं। उन्होंने भाषा के आधार पर दरार पैदा करने वाली गलतफहमियों से दूर रहने का सुझाव देते हुए कहा कि सरकार देश की प्रत्येक भाषा को मुख्यधारा के रूप में समझती है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। डीएमके सांसद ए राजा ने भाषा पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी पर शनिवार को कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन पर देश में विभाजन पैदा करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। राजा ने पीएम के रुख पर सवाल उठाया और कहा कि बीजेपी विभाजन को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने एक कार्यक्रम में कहा कि कुछ लोग भाषा के नाम पर देश को अलग करने की कोशिश कर रहे हैं। यदि आपको संदेह है कि हम भाषा के नाम पर देश को अलग कर देंगे, तो क्या हमें यह भी संदेह नहीं होना चाहिए कि आप धर्म के नाम पर देश को विभाजित करने की कोशिश कर रहे हैं? उन्होंने आगे चेतावनी दी कि अगर पीएम भाषा के मुद्दे पर बोलना जारी रखेंगे तो कड़ा विरोध किया जाएगा।

एयर इंडिया ने शिवराज सिंह चौहान को आवंटित की टूटी सीट, उड्डयन मंत्री ने लिया एक्शन

मंत्री ने एयर इंडिया पर उठाए सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली : केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एयर इंडिया की सेवाओं को लेकर सवाल उठाए हैं. उन्होंने कहा कि भोपाल से दिल्ली आते समय उन्हें जो सीट आवंटित की गई थी, वह सीट खराब थी और अंदर की ओर धंसी हुई थी.केंद्रीय मंत्री की शिकायत पर उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने त्वरित कार्रवाई के आदेश दिए हैं. उन्होंने खुद शिवराज सिंह चौहान से बात की. नायडू ने मीडिया को बताया कि उन्होंने पूरे मामले पर एयर इंडिया से बात की है और उन्हें निर्देश दिया है कि वह पूरे मामले को प्राथमिकता से जांच करे. नायडू ने कहा कि इस मामले पर डीजीसीए भी एक्शन लेगा.केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यात्रा के दौरान वह बहुत ही असहज महसूस कर रहे थे. शिवराज सिंह ने कहा कि वह एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या अ1436 से दिल्ली आ रहे थे. उन्हें 8-सी सीट आवंटित की गई थी. लेकिन जब वह अपनी सीट पर पहुंचे, तो हैरान रह गए. सीट नीचे की ओर धंसी हुई थी और उन्हें इस दौरान काफी तकलीफ भी हुई. उन्होंने कहा कि उन्होंने विमानकर्मियों से इसके बारे में बात भी की. इस पर विमान में मौजूद कर्मियों ने कहा कि प्रबंधन को इस सीट की जानकारी पहले ही दे दी गई थी, कि इसकी बुकिंग न की जाए. फिर भी बुकिंग कर दी गई.शिवराज सिंह ने कहा कि मुझे बगल के दूसरे यात्रियों ने अपनी सीट ऑफर की, लेकिन मैंने उनका धन्यवाद कर इसे ठुकरा दिया. केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैं नहीं चाहता हूं कि मेरी वजह से किसी दूसरे यात्रियों को कोई तकलीफ पहुंचे, इसलिए मैंने उसी सीट से यात्रा करने का फैसला किया।

पीएम मोदी से मिलीं दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता, विकास के रोडमैप पर हुई चर्चा

नए सीएम ने महिला सम्मान योजना को लेकर बुलाई अहम बैठक

पहले दिन में दिल्ली के मुख्यमंत्री ने दिल्ली के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की।

एजेंसी

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शीर्ष कुर्सी संभालने के बाद पहली बार शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके आवास पर मुलाकात की। गुप्ता और पीएम मोदी के बीच आने वाले समय में दिल्ली के विकास पर बातचीत हुई। नए सीएम ने अपने कार्यकाल के दूसरे दिन महिला सम्मान योजना को लेकर भी अहम बैठक बुलाई। इससे पहले दिन में दिल्ली के मुख्यमंत्री ने दिल्ली के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "दिल्ली में खोदी गई सड़कों, क्षतिग्रस्त सड़कों और यातायात से संबंधित सभी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए।

मांग महिलाओं के लिए 2500 रुपये की योजना पर बैठक की मांग की

आतिशी ने दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता को लिखा पत्र

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और आप विधायक आतिशी ने शनिवार को दिल्ली की नई मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पत्र लिखकर आप विधायक दल से मिलने के लिए समय मांगा। सीएम को लिखे अपने पत्र में, आतिशी ने दिल्ली की महिलाओं को प्रति माह 2,500 रुपये की वित्तीय सहायता पर चर्चा के लिए उनसे मिलने के लिए कहा है, जिसका वादा प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव अभियान के दौरान किया था। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेता और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव प्रचार के दौरान 31 जनवरी 2025 को दिल्ली में आयोजित एक रैली में दिल्ली की माताओं और बहनों से वादा किया था कि भाजपा सरकार बनने के बाद पहली कैबिनेट बैठक में उनके लिए 2500 रुपये प्रति माह की योजना पारित की जाएगी। उन्होंने कहा था- ये मोदी की गारंटी है। आतिशी ने आगे कहा कि वादे के बावजूद, 20 फरवरी को हुई नवगठित दिल्ली सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में निर्णय नहीं लिया गया। उन्होंने कहा, दिल्ली की माताओं और बहनों ने पीएम मोदी द्वारा दी गई गारंटी पर विश्वास किया था और अब वे ठगा हुआ महसूस कर रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आम आदमी पार्टी का विधायक दल कल 23 फरवरी 2025 को आपसे मिलकर इस मुद्दे पर चर्चा करना चाहता है। मैं दिल्ली की लाखों महिलाओं की तरफ से आपसे अनुरोध करती हूं कि आप अपने शेड्यूल से कुछ समय निकालकर हमें आपसे मिलने का मौका दें ताकि हम इस योजना पर ठोस कार्रवाई करने के लिए आपके सामने अपनी बात रख सकें। इससे पहले आतिशी ने शुक्रवार को सवाल उठाया कि दिल्ली सरकार ने अपनी पहली कैबिनेट बैठक में शहर की महिलाओं को 2,500 रुपये मानदेय देने की योजना पर मुहर क्यों नहीं लगाई। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने नवगठित भाजपा सरकार पर महिला समृद्धि योजना के तहत महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वादे को पूरा नहीं कर पाने का आरोप लगाया। आतिशी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दिल्ली चुनाव से पहले मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आश्वासन दिया था कि पहली ही कैबिनेट बैठक में इस योजना को मंजूरी दे दी जाएगी और 8 मार्च तक दिल्ली की हर महिला के बैंक खाते में 2,500 रुपये आ जाएंगे।

सीएम को लिखे अपने पत्र में, आतिशी ने दिल्ली की महिलाओं को प्रति माह 2,500 रुपये की वित्तीय सहायता पर चर्चा के लिए उनसे मिलने के लिए कहा है, जिसका वादा प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव अभियान के दौरान किया था।

शिवराज की शिकायत पर हरकत में आए विमानन मंत्री, एयर इंडिया के अधिकारियों से की बात

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ने नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को मामले की जांच करने और तुरंत सुधारात्मक उपाय सुझाने का निर्देश दिया है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को भोपाल से नई दिल्ली की एयर इंडिया की उड़ान के दौरान टूटी हुई सीट पर यात्रा करने के बाद हुई असुविधा पर दुख व्यक्त किया। इसको लेकर शिवराज ने एक्स पर लंबा पोस्ट साझा किया था। इसके बाद केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ने नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को मामले की जांच करने और तुरंत सुधारात्मक उपाय सुझाने का निर्देश दिया है। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने यह भी कहा कि हमने इस मुद्दे पर तुरंत एयर इंडिया से बात की और उन्हें आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। हमारी ओर से, डीजीसीए भी मामले के विवरण को तुरंत देखेगा। और मैंने व्यक्तिगत रूप से शिवराज जी से भी बात की है। चौहान ने एयर इंडिया के साथ अपने असुविधाजनक अनुभव को साझा करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स का सहारा लिया, जहां उन्हें भोपाल से दिल्ली की उड़ान के दौरान टूटी हुई सीट दी गई थी। शिवराज ने इससे पहले अपने पोस्ट में लिखा था कि आज मुझे भोपाल से दिल्ली आना था, पूसा में किसान मेले का उद्घाटन, कुरुक्षेत्र में प्राकृतिक खेती मिशन की बैठक और चंडीगढ़ में किसान संगठन के माननीय प्रतिनिधियों से चर्चा करनी है। मैंने एयर इंडिया की फ्लाइट क्रमांक एआई436 में टिकिट करवाया था, मुझे सीट क्रमांक 8उ आवंटित हुई। मैं जाकर सीट पर बैठा, सीट टूटी और अंदर धंसी हुई थी। बैठना तकलीफदायक था।

सम्पादकीय

करदाताओं का भरोसा बढ़ाने वाली पहल, किस बात पर निर्भर है सफलता?

बहुप्रतीक्षित नए आयकर बिल, 2025 में प्रत्यक्ष कर कानूनों को समेकित और तर्कसंगत बनाने के साथ-साथ वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने का प्रयास किया गया है। इस बिल में किसी अतिरिक्त कर की बात नहीं है, बल्कि मौजूदा कर कानूनों को सरल बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। यह बिल न सिर्फ करदाताओं की जटिलता को कम करेगा, बल्कि नौकरशाही की अनावश्यक बाधाओं को भी दूर करने में मदद करेगा। नए आयकर बिल को आधुनिक और सरल बनाने के लिए डिजिटल बनाने की दिशा में भी पहल की गई है, जिससे स्वचालन, डाटा विश्लेषण और प्रशासन में सुधार होने के साथ-साथ कर दायरे के विस्तार की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। भारत में आयकर का भुगतान करने वाले मात्र 2.5 प्रतिशत लोग ही हैं, जो विकसित होती अर्थव्यवस्था की तुलना में बहुत कम हैं।64 वर्ष पुराना 1961 का आयकर कानून अपने अनेक संशोधनों के साथ अत्यधिक जटिल हो गया था, जो बदलते भारत की आकांक्षाओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हो पा रहा था। 2025 नए आयकर बिल की सफलता इस पर निर्भर करेगी कि उसे कितने प्रभावशाली तरीके से लागू किया जाता है। यह बिल न सिर्फ करदाताओं की जटिलता को कम करेगा बल्कि नौकरशाही की अनावश्यक बाधाओं को भी दूर करने में मदद करेगा।इससे कर प्रशासन की कुशलता बढ़ने से करदाताओं की संख्या और राजस्व में भी वृद्धि होगी।इसलिए वेतन-भत्ते, अनुमानित कराधान, कर भुगतान, कर कटौती, कर रिफंड आदि के प्रविधानों को आसान बनाने के लिए मौजूदा 52 अध्यायों के मुकाबले नए बिल में मात्र 23 अध्याय ही रखे गए हैं। कर प्रशासन की कुशलता बढ़ने से करदाताओं की संख्या और राजस्व में भी वृद्धि होगी। करदाताओं का भरोसा बढ़ने से कर विवाद और मुकदमेबाजी घटेगी। कर विवादों की संख्या में कमी आने से करदाताओं और न्यायपालिका पर पड़ने वाला बोझ भी कम होगा। करदाताओं की किसी त्रुटि को सुधारने के लिए अतिरिक्त समय देते हुए अपडेटेड रिटर्न दाखिल करने की समयसीमा को दो साल से बढ़ाकर चार साल कर दिया गया है। इससे न सिर्फ कर अनुपालन आसान होगा, बल्कि सभी श्रेणी के करदाताओं के लिए निष्पक्ष कर संरचना भी सुनिश्चित होगी। सामान्यतः करदाताओं को यह समझने में बहुत मुश्किल होती थी कि आयकर की गणना के लिए मूल्यांकन वर्ष का प्रयोग करें या फिर वित्तीय वर्ष का, लेकिन नए बिल में अब कर वर्ष की अवधारणा को अपनाया गया है, जो एक अप्रैल से अगले साल 31 मार्च तक होगा। इसके तहत किसी भी नए पेशे के लिए कर वर्ष की शुरूआत उसी वित्तीय वर्ष में मानी जाएगी।

आज का विचार

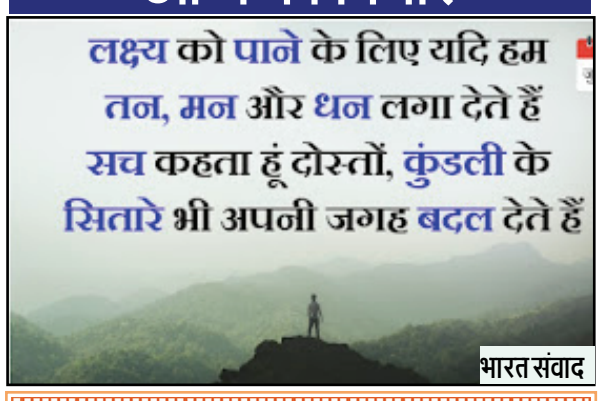

राशिफल

मेष : आज भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। अपरिचितों पर अतिविश्वास न करें। प्रमाद न करें। शारीरिक कष्ट संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कुबुद्धि हावी रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

वृष :वृष आज कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है। समय का लाभ लें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। कानूनी बाधा आ सकती है। विवाद न करें।

मिथुन :आज ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च हो सकता है। जल्दबाजी न करें। कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मातहतों से संबंध सुधरेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कर्क :आज स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद से क्लेश संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। अपेक्षित कार्यों में अप्रत्याशित बाधा आ सकती है। तनाव रहेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। राज्य के प्रतिनिधि सहयोग करेंगे।

सिंह : कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। सुख के साधनों पर व्यय हो सकता है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। प्रमाद न करें। बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। काम का विरोध होगा। तनाव रहेगा।

कन्या :आज व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बेचैनी रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। थकान महसूस होगी। वरिष्ठजन सहयोग करेंगे।

तुला: आज स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी विवाद में उलझ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जोखिम न उठाएं। घर-बाहर असहयोग मिलेगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। आय में कमी हो सकती है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है।

वृश्चिक :आज रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। आय में वृद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी।

धनु :आज आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ मनोरंजन का कार्यक्रम बन सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार में तनाव रह सकता है।

मकर :आज शत्रु नतमस्तक होंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बाधा संभव है। फालतू खर्च होगा। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें।

कुंभ : आज आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलेगी। तनाव रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी। पारिवारिक चिंता में वृद्धि होगी।

मीन :आज विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा। दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। बेचैनी रहेगी। धनार्जन सुगम होगा।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

विदेशी हस्तक्षेप की राह रोकना जरूरी, अमेरिकी सहायता पर बहस जारी

अपने देश में अधिकांश राजनीतिक दलों को विदेशी पैसों में तभी बुराई दिखती है जब वह विरोधी दल को मिल रहा हो। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयान से बवाल मचा हुआ है। उन्होंने कहा कि बाइडेन भारत में चुनाव के दौरान सत्ता परिवर्तन की जुगत में लगे हुए थे। ऐसे में यह जरूरी है कि विदेशी हस्तक्षेप की राह रोकना जरूरी है।

अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बीते दिनों यह कहकर चौंका दिया कि उनके पूर्ववर्ती जो बाइडन भारतीय चुनावों के दौरान देश में सत्ता परिवर्तन की जुगत में लगे थे। ट्रंप के बयान से भारत में राजनीतिक गलियारों में हड़कंप मचा और इससे प्रधानमंत्री मोदी के उन आरोपों को ही बल मिला, जिसमें संसदीय चुनाव के बाद उन्होंने अलग-अलग मौकों पर चुनावों में विदेशी हस्तक्षेप की बात कही थी। फिलहाल इस पर बहस जारी है कि मतदान बढ़ाने के लिए अमेरिकी सहायता भारत आई या बांग्लादेश और यदि वह भारत आई तो खर्च कैसे हुई? जो भी हो, ट्रंप के बयान को अनदेखा नहीं किया जा सकता। इससे पहले उनके करीबी और जाने-माने उद्यमी एलन मस्क ने भी अमेरिकी संसाधनों के प्रयोग को लेकर सवाल उठाए थे। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि सलमान खुर्शीद और मणिशंकर अय्यर जैसे नेताओं का बांग्लादेश में हुए तख्तापलट के बाद यह कहना था कि इस पड़ोसी देश में जो कुछ हुआ, उसकी भारत में भी पुनरावृत्ति हो सकती है। यह भी किसी से छिपा नहीं कि जार्ज सोरोस और उनकी संस्थाओं की संदिग्ध भूमिकाओं की चर्चा यदाकदा सतह पर उभरती रहती है। यह पूरा परिदृश्य गहन पड़ताल की मांग करता है। भारत जैसे संप्रभु देश में विदेशी हस्तक्षेप स्वीकार्य नहीं, लेकिन ऐसे आरोप पहली बार नहीं लगे हैं। पूर्व में कांग्रेस सरकारों की या तो विदेशी शक्तियों के साथ साठगांठ रही या फिर उन्होंने ऐसे आरोपों को अनदेखा करना उचित समझा। यह

1967 की बात है जब केंद्रीय गृहमंत्री वाईबी चव्हाण ने उन राजनीतिक दलों के नाम बताने से इन्कार कर दिया था, जिन्हें विदेश से पैसे मिले थे। नतीजा यह हुआ कि बाहर-भीतर राष्ट्र विरोधी शक्तियों का मनोबल बढ़ता गया। चूंकि सरकार ही ऐसे मामलों को लेकर उदासीन रही, इसीलिए अवैध धन के इस्तेमाल को लेकर नेताओं और दलों की झिझक समाप्त होती चली गई। याद रहे कि 1967 के आम चुनाव में सात राज्यों में कांग्रेस हार गई थी। अन्य दो राज्यों में कुछ ही समय बाद कांग्रेस सरकारें दल-बदल के कारण अपदस्थ हो गईं। लोकसभा में कांग्रेस का बहुमत घट गया। इन घटनाओं से तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की चिंता बढ़ गई थी। उन्हें लगा कि विपक्षी दलों ने विदेश से मिले अवैध धन की मदद से कांग्रेस को हरा दिया।

परिणामस्वरूप केंद्रीय खुफिया एजेंसी से मामले की जांच कराई गई। जांच से पता चला कि कांग्रेस सहित कई दलों और नेताओं को 1967 का चुनाव लड़ने के लिए विदेश से पैसे मिले थे। सरकार ने उस रपट को दबा दिया, लेकिन वह रपट एक अमेरिकी अखबार में छप गई। यदि उसी समय उक्त मामले की नीर-क्षीर ढंग से जांच कराई जाती तो राजनीति को स्वच्छ बनाने में बड़ी सहायता मिलती। मगर जांच होती कैसे? हर दल के नेता इस दलदल में धंसे हुए थे। शीत युद्ध के समय जहां कम्युनिस्ट देश भारत में साम्यवाद फैलाने के लिए पैसे खर्च कर रहे थे, वहीं पूंजीवादी देश साम्यवाद को रोकने के लिए। जिस किसी देश में नेता से लेकर बुद्धिजीवी तक बिकने को तैयार हों, वहां विदेशी शक्तियों के लिए अपने संकीर्ण हितों को साधना कहीं आसान हो जाता है। अपने देश में अधिकांश दलों को विदेशी पैसों में तभी बुराई दिखती है, जब वह विरोधी दल को मिल रहा हो। यह रवैया उचित नहीं। कुछ समय पहले भाजपा ने कांग्रेस पर आरोप लगाया था कि राजीव गांधी फाउंडेशन को चीन से वित्तीय मदद मिली। उस पर कांग्रेस ठोस तरीके से अपना पक्ष नहीं रख सकी। इस संदर्भ में सोवियत खुफिया एजेंसी केजीबी के बारे में आपातकाल के दौरान प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की राय पर गौर किया जाए। आपातकाल लगाने के अगले दिन इंदिरा गांधी ने केंद्र सरकार के सचिवों के साथ बैठक की। प्रधानमंत्री के संयुक्त सचिव रहे बिशन टंडन के अनुसार इंदिरा गांधी ने सचिवों से कहा, प्रतिपक्ष नाजीवाद फैला रहा है। नाजीवाद केवल सेना एवं पुलिस के उपयोग से ही नहीं आता। कोई छोटा समूह जब गलत प्रचार करके जनता को गुमराह करे तो वह भी नाजीवाद का लक्षण है। भारत में दूसरे दलों की सरकारें भले बन जाएं, पर मैं मार्क्सवादियों, कम्युनिस्टों और जनसंघ की सरकार नहीं बनने दूंगी। जेपी आंदोलन के लिए रुपया बाहर से आ रहा है। अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआइए यहां बहुत सक्रिय है। केजीबी का कुछ पता नहीं। उसकी सक्रियता का कोई प्रमाण सामने नहीं आया। प्रतिपक्ष का सारा अभियान मेरे विरुद्ध है। मेरे अतिरिक्त मुझे कोई ऐसा व्यक्ति नजर नहीं आता जो इस समय देश के सामने आई चुनौतियों का सामना कर सके। इंदिरा गांधी की यह बात कितनी निराधार थी, इसका भंडाफोड़ केजीबी से जुड़े मित्रोखिन ने किया। क्रिस्टोफर एंड्रूज के साथ मिलकर वासिली मित्रोखिन ने दो किताबें लिखीं। मित्रोखिन के अनुसार, केजीबी ने कई भारतीय समाचार पत्रों, बुद्धिजीवियों और नेताओं पर अरबों-खरबों रुपये खर्च किए। मित्रोखिन के रहस्योद्घाटन का तब कांग्रेसियों और कम्युनिस्टों ने खंडन किया। ज्योति बसु ने कहा था, मुझे यह तो नहीं मालूम कि केजीबी ने इंदिरा गांधी को धन दिया या नहीं, परंतु एक बात मैं अच्छी तरह जानता हूं कि वामपंथियों की गतिविधियों को रोकने के लिए अमेरिका ने इंदिरा गांधी को व्यक्तिगत रूप से भी धन दिया और कांग्रेस को भी। क्या बसु की इस बात पर विश्वास करना संभव है कि कम्युनिस्ट देशों ने भारत में अघोषित ढंग से कोई खर्च नहीं किया? भारत में अमेरिका के राजदूत रहे डेनियल मोयनिहान ने अपनी पुस्तक ए डेंजरस प्लेस में लिखा कि किस तरह कम्युनिस्ट फैलाव को रोकने के लिए अमेरिका ने भारतीय नेताओं को पैसे दिए। लगता है कि अब स्थिति इतनी बिगड़ चुकी है कि इससे निपटना देश के लिए मुश्किल हो चला है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के चलते इसके समाधान की भी उम्मीद है।बांग्लादेश में तख्तापलट, खुर्शीद एवं अय्यर की बयानजाबी और अब ट्रंप एवं मस्क के बयानों के बाद देखना होगा कि मोदी भारत एवं भारतीयों को कितना आश्वस्त करते हैं कि यहां विदेशी दखल संभव नहीं।

संस्कार विहीन शिक्षा निरर्थक एवं संवेदनहीन

संजीव ठाकुर

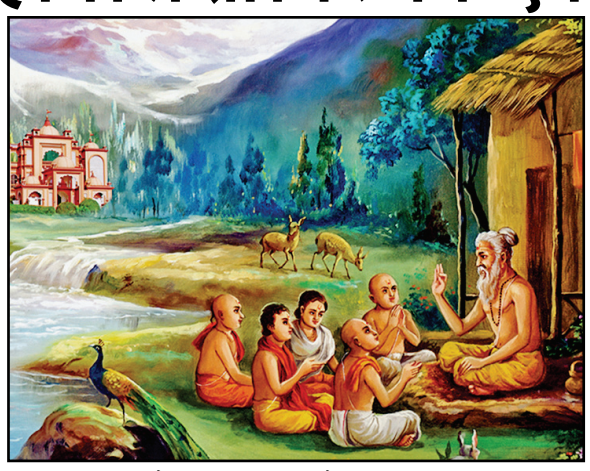

किसी भी राष्ट्र के विकास के लिए शिक्षा जितनी आवश्यक है उतनें ही आवश्यक संस्कार तथा संस्कृति भी है।देश की आने वाली पीढ़ी को केवल शिक्षित करने तक ही सीमित नहीं रखना होगा उन्हें भारतीय संस्कार,संस्कृत की शिक्षा से भी अवगत कराना होगा अन्यथा विदेशी शिक्षा की तरह नौजवान शिक्षित तो होगा किंतु भावना हीन होकर एक निरंकुश नौकरशाह बनकर रह जाएगा।

भावनाओं के बगैर संवेदनाओं के बगैर जीवन अधूरा एवं असंतुष्ट होता है।और इसके लिए शिक्षा एवं संस्कार के अंतर के महत्व को समझना होगा यह तो सर्वविदित है कि केवल संस्कारों से ही जीवन यापन नहीं किया जा सकता इसी तरह केवल संस्कार विहीन शिक्षा से इंसान अच्छा एवं संवेदनशील परिपक्व एवं सफल व्यक्तित्व नहीं बन पाता है। स्कूल महाविद्यालय और विश्वविद्यालय हर वर्ष लाखों ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट बेरोजगार बनाने के लिए डिग्रियां वितरित कर रही है,जबकि आवश्यकता मूल रूप से बुनियादी शिक्षा में व्यवसायीकरण की है, बुनियादी शिक्षा से ही ऐसे पाठ्यक्रम शामिल किए जाएं जो परिणाम मूलक हो और युवाओं को रोजगार देने हेतु सक्षम हो। स्कूल के सिलेबस में ही व्यावसायिक शिक्षा को महत्व दिया जाना चाहिए जिससे आगे चलकर युवा अपना स्वयं का व्यवसाय शुरू करें बल्कि अपने कई साथी बेरोजगारों को रोजगार देने में पूरी तरह सक्षम बने। बुनियादी, नैतिक शिक्षा किसी भी व्यक्ति समाज और राष्ट्र के नैतिक तथा आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते है शिक्षित सुसंस्कृत नागरिक देश की एक बड़ी धरोहर होते हैं जिस राष्ट्र में शिक्षा,संस्कृति जितनी गहरी और समृद्ध हो वह राष्ट्र उतना ही विकसित,पुष्पित, पल्लवित होता है। इसके साथ आर्थिक वैज्ञानिक सोच भी अत्यंत विचारणीय है।हर देश में राष्ट्र के प्रति और राष्ट्रहित के प्रति चिंतन करने वालों का समूह होना चाहिए,जो प्रजातांत्रिक, लोकतांत्रिक तथा राष्ट्रहित के विचारों और विकास के मूल मंत्र को नई ऊर्जा ताजा हवा और आगे बढ़ने की सच्चाई को इंगित कर सकें बिना संस्कृति ,संस्कार और वैचारिक क्षमता के कोई भी राष्ट्र वैश्विक स्तर पर अंतरराष्ट्रीय प्रगति करने की सोच भी नहीं सकता वैचारिक और सैद्धांतिक अंतरधारा, सिद्धांतों को कुचला या नष्ट नहीं किया जा सकता। व्यक्तिगत वैचारिक अभिव्यक्ति भारत के संदर्भ में गणतंत्र की मूल आत्मा है।विचार और सिद्धांत व्यक्ति की अंतःप्रज्ञा होती है।यह सिद्धांत तथा अंतः विचारधारा जनमानस तक पहुंचने से बाधित किया जाए तो अंतरात्मा को प्रभावित करती है।इसके गहरे प्रभाव से व्यक्ति वह सब कर सकता है, जो बिना मार्गदर्शन के व्यक्ति नहीं कर सकता। प्राचीन काल से अब तक मनीषियों के वैचारिक सिद्धांत और विचारधारा सदैव समाज के दिग्दर्शक मार्गदर्शक रहे हैं।इनकी भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है।यदि यही सिद्धांत और अंतः प्रज्ञा जनमानस आत्मसात कर लेता है,तो इसका प्रभाव एक जन आंदोलन का रूप ले लेता है और यहीं से युग परिवर्तन की लहर उत्पादित होती है। प्राचीन यूनान में एक बहुत ही कुरूप किंतु विद्वान व्यक्ति रहते थे,उनके विचारों में मौलिकता,नयापन जनजागृति की अद्भुत क्षमता थी। उनकी विद्वता के कारण आम जनमानस होने राजा से ज्यादा महत्व और बुद्धिमान मानते थे। राजकीय तानाशाही के चलते उनके विचारों के कारण उनको मृत्युदंड दे दिया गया। जहर का प्याला पीने के बाद भी विद्वान, चिंतक, सुकरात अमर हो गए, उनकी विचारधारा आज भी जीवित है, एवं लोग उसे अपनाकर अपना जीवन सुधारने में इसका उपयोग करते हैं। अब्राहम लिंकन ने अमेरिकी स्वतंत्रता के बाद दास प्रथा के बारे में कहा था कि दास भी मनुष्य हैं, उन्हें भी उतना ही जीने का अधिकार है जितना स्वामी को है। अब्राहम लिंकन के आंदोलनकारी विचार से तत्कालीन समय में अमेरिका के लोग घबरा गए थे,और उनकी हत्या कर दी गई थी। पर अब्राहम लिंकन के विचारों ने दास प्रथा के उन्मूलन की अंतर आत्मा को जागृत कर दिया था, और जनमानस ने अपने अधिकारों के लिए लड़ते हुए दास प्रथा से मुक्ति पाई थी।

स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था कि हम जो सोचते हैं वही बन जाते हैं। विचार एवं सिद्धांत ही व्यक्ति का निर्माण करता है। वही दुष्ट होने या महान होने का निर्णायक है। और बिना विचारों सिद्धांतों के व्यक्त व्यक्ति का अस्तित्व ही नहीं । विवेकानंद जी के विचार सर्व कालीन प्रासंगिक है। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उनके जीवित रहते हुए थे। आज हमारे बीच विवेकानंद जी स शरीर मौजूद नहीं है, पर उनके विचारों की महत्ता कायम है।भौतिक शरीर के नष्ट हो जाने से और भौतिक विचार तथा सिद्धांत उतनी ही तीव्रता रखते हैं, वेग रखते हैं, जो एक समाज में परिवर्तन ला सकती है ।विचारों की यह अमरता तथा तीव्रता किसी भी तानाशाह के लिए इतनी खतरनाक है, जितनी की सुप्त शेर की गुफा में रहना। जनता के मध्य शुद्ध विचारधारा के जागृत होने पर क्रांति लाई जा सकती है। फिर चाहे वह फ्रांस के वर्साय के महल का विध्वंस हो अथवा भारत की स्वतंत्रता हेतु वृहद आंदोलन हो। व्यक्ति या व्यक्तियों के दबाव को दबाने के बाद विचारों की पीड़िता ने जनसामान्य को एक गरजते हुए सिंह में तब्दील कर दिया था। यह शाश्वत सत्य है कि व्यक्ति को जरूर आप दबा सकते हैं,पर विचारधारा सिद्धांत अजर अमर होते हैं, और वही युग निर्माण में अपनी महती भूमिका निभाते हैं।

विचारों के संदर्भ में कहा जाता है कि एक व्यक्ति का विचार तब तक उस व्यक्ति के पास है, जब तक वह अकेला है किंतु जैसे ही विचारधारा एवं सिद्धांत का प्रचार प्रसार होता है, तो वह व्यक्ति अकेला ना रह कर उस जैसे हजारों लाखों लोग उसके साथ हो जाते हैं। तब वह अकेला नहीं रह जाता। वह अपने विचारों के माध्यम से जन सामान्य को प्रभावित कर लोगों को उस लड़ाई में शामिल कर लेता है, जिस लड़ाई के वह कभी अकेले नहीं लड़ सकता था। विचारों सिद्धांतों की तीव्रता आवेश तथा सघनता किसी भी क्रांतिकारी लक्ष्य की प्राप्ति में एक बड़ा साधक हो सकता है। विचार व सिद्धांत एक से दूसरे व्यक्ति तक स्थानांतरित होते रहते हैं। जिसमें विचारों को सघनता प्राप्त होती है। ताकि सत्ता के दमन के समय वैचारिक अमरता स्थाई बनी रहे। चीन उत्तर कोरिया जैसे राष्ट्रों में विचारों के इस स्वतंत्र का प्रवाह को बाधित नियंत्रित कर दिया गया। अभिव्यक्ति के तमाम माध्यमों को प्रतिबंधित कर दमन चक्र चलाया गया।

अंतर्मन की आवाज

विजय गर्ग

हम जमाने में जो कुछ करते हैं, कितना सही और कितना गलत करते हैं, यह कोई जान पाए या नहीं जान पाए, लेकिन हम पक्के तौर पर जानते हैं कि आखिर हमारी अपनी वास्तविकता क्या है। दरअसल, हमारी अंतरात्मा हर बात की गवाही देती है । इसलिए परिस्थितियां कैसी भी हो, हमें तटस्थ भाव से अपनी अंतरात्मा की आवाज सुननी चाहिए। उसके अनुसार किसी निर्णायक स्थिति पहुंचकर अपना कदम निर्धारित करना चाहिए। इसके चलते हम अंतर्मन में असीम आनंद की दिव्य अनुभूति कर सकते हैं। अन्यथा आकुल-व्याकुल मन के चलते गलत और गलत हो जाता है। सही भी सही रूप में जमाने के सामने नहीं आ पाता। परिणामस्वरूप हमारा चित्त अशांत हो उठता है और एक अजीब प्रकार की बेचैनी मन में घर कर जाती है। यही नहीं, हम अपनी प्रामाणिकता भी खो बैठते हैं ।इसका दुष्परिणाम यह होता है कि हम ऐसी समस्याओं में उलझकर रह जाते हैं जो किसी विषय पर हमारे एकतरफा विचार के चलते उत्पन्न होती है । यों हर कोई हर किसी को पूर्ण रूप से संतुष्ट नहीं कर सकता, लेकिन प्रयास यह रहना चाहिए कि हमारी अंतरात्मा यह गवाही दे कि हम अपनी जगह एकदम सही हैं। निश्चित रूप से ऐसा होने पर हमारे आत्मबल में वृद्धि होगी, जिसके चलते हम बड़ी से बड़ी उलझनों से पार पा सकते हैं। अन्यथा मानसिक तनाव की अधिकता के कारण साधारण समस्या को सुलझाने की दिशा में भी हम असमर्थ रह सकते हैं। इसकी वजह से मानसिक और शारीरिक व्याधियां भी घर कर सकती है। इसलिए बेहतर यही है कि हम अनिर्णय की स्थिति में अपने अंतस की आवाज के अनुरूप कदम उठाएं ।वास्तव में किसी समस्या का लंबे समय तक समस्या बने रहना, मूल समस्या को और भी अधिक उलझा कर रख देता है । अनेक अवसरों पर ऐसी स्थिति की अति जिंदगी से हाथ धोने का कारण भी बन जाती है। दरअसल, जब हम किसी विषय को लेकर निर्णायक स्थिति तक नहीं पहुंच पाते, दिल और दिमाग में एक अजीब-सा धर्मसंकट उत्पन्न हो जाता है। ऐसे में अंतरात्मा की आवाज ही हमारा सही मार्गदर्शन कर सकती है । जटिल समस्याओं के दौर में अपनों का साथ बहुत संबल देता है, लेकिन इसके चलते केवल सहानुभूति मिल सकती है, निर्णय पर तो हमें ही पहुंचना होता है । इन हालात में अंतरात्मा की आवाज हमारा पथ प्रदर्शित करती है, जिसके चलते अंतर्मन में वैचारिक दृढ़ता का भाव जागृत होता है और मन को काफी सुकून मिलता है।

नीति और व्यवहार की समझ आम जनमानस में स्वाभाविक रूप से होती है। तकनीकी विषयों को छोड़कर अन्य सभी व्यावहारिक मुद्दों में अंतरात्मा की आवाज दूध का दूध और पानी का पानी करने में पूर्ण रूप से सक्षम होती है। वास्तव में जिंदगी में आने वाली तमाम समस्याओं का समाधान कहीं न कहीं होता ही है। जरूरत महज इस बात की होती है कि ऐसी समस्याओं के समाधान के लिए हम किसी उचित निष्कर्ष पर पहुंच सकें । इसके लिए कहीं और भटकने की आवश्यकता नहीं है। हमारे अपने जीवन की हर एक समस्या का समाधान हमारे भीतर ही है। अंतरात्मा की आवाज विपरीत परिस्थितियों में भी हमें अकेला नहीं छोड़ती। बस हमारी अंतर्दृष्टि जागृत रहनी चाहिए, जो गलत को गलत और सही को सही करार दे सके। फिर हमें केवल उसका अनुकरण करने की दिशा में ही कदम बढ़ाना है। निश्चित रूप से जब ऐसी मानसिकता बन जाती है तो मन निराकुल हो जाता है। इसका परिणाम यह होता है कि फिर जीवन में जो कुछ घटित होता है, वह पूर्ण रूप से सकारात्मक होता है । अनावश्यक रूप से उत्पन्न होने वाली राग द्वेष की भावना का शमन होने लगता है। एक प्रकार से व्यक्ति अजातशत्रु की श्रेणी में आ जाता है।

'राहुल बाबा हमारा मजाक उड़ाते थे, हमने एक क्लिक से लोगों के खाते में पैसे डाले', महाराष्ट्र में बोले अमित शाह

● एनडीए की तीसरी बार जीत के साथ, पीएम मोदी ने पीएमएवाई के दूसरे चरण की शुरूआत की, जिसमें 20 लाख परिवारों को आवास की सहायता दी गई। इस योजना के तहत सबसे अधिक लाभार्थियों के साथ महाराष्ट्र अग्रणी है, जो एक महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक उत्थान को दर्शाता है।

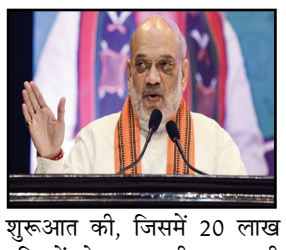

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई ,केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अनुसार, महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों में महायुति गठबंधन की जीत प्रामाणिक शिवसेना और एनसीपी के लिए जनता के समर्थन का संकेत देती है। प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को धनराशि वितरित करते हुए एक समारोह में अमित शाह ने नई सरकार का समर्थन करने के लिए महाराष्ट्र के लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने शिवसेना और राकांपा के भीतर वास्तविक गुटों पर जनता के स्पष्ट निर्णय पर जोर दिया। एनडीए की तीसरी बार जीत के साथ, पीएम मोदी ने पीएमएवाई के दूसरे चरण की शुरूआत की, जिसमें 20 लाख परिवारों को आवास की सहायता दी गई। इस योजना के तहत सबसे अधिक लाभार्थियों के साथ महाराष्ट्र अग्रणी है, जो एक महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक उत्थान को दर्शाता है। इस योजना का लक्ष्य 2029 तक देशभर में बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा देते हुए पांच करोड़ घर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में 1,465 शहरी सहकारी बैंक हैं, और 400 से अधिक केवल महाराष्ट्र में हैं। हम एक गठन को सक्रिय कर रहे हैं, जो सभी सहकारी बैंकों को हर संभव तरीके से मदद करेगा।

दिल्ली में पीएम मोदी-शरद पवार की गर्मजोशी से महाराष्ट्र में चढ़ा सियासी पारा

महाराष्ट्र में लोकसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन करके मजबूत हुए पवार क्या विधानसभा चुनावों के नतीजों के बाद नई गुगली फेंकने जा रहे है? दिल्ली में पीएम मोदी के साथ दिखी जबरदस्त केमिस्ट्री के बाद राज्य की राजनीति गर्म है। अटकलें लग रही है कि अपनी एनसीपी को बचाने के लिए पवार नया दांव खेल सकते हैं।

- शरद पवार की पीएम मोदी से दिल्ली मुलाकात
- पीएम मोदी के गर्मजोशी से गरमाई राजनीति
- महाराष्ट्र में फिर बड़े सियासी खेला की अटकलें

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः क्या महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ा खेला होने वाला है? नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और एनसीपी (एसपी) चीफ शरद पवार की मुलाकात के बाद राज्य की राजनीति का पारा चढ़ गया है। महाराष्ट्र में इसको लेकर बयानबाजी भी शुरू हो गई है। विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाड़ी (टशअ) में शामिल शिवसेना यूबीटी के सांसद संजय राउत ने पीएम मोदी द्वारा शरद पवार को पानी देने पर कहा है कि पीएम मोदी कैमरे में आने के लिए इस तरह के काम करते हैं। राउत ने कहा कि एनसीपी (एसपी) के नेता शरद पवार एक वरिष्ठ नेता है। इन्हीं पवार साहब को एक बार पीएम ने भटकी आत्मा कहा था और अब भटकती आत्मा को पानी दिया है। तो क्या हो गया? राउत ने पीएम मोदी का राजनीतिक व्यापारी बताया है। 98वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन का उद्घाटन समारोह में पीएम मोदी और शरद पवार के बीच गर्मजोशी दिखाई दी थी।

दोनों का होगा फायदा

राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि पवार अभी तक जो कहते आए हैं उसके उलट करते आए हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि अगर पवार बीजेपी के साथ चले जाएं तो इसमें आश्चर्य नहीं होना चाहिए। केंद्र में बीजेपी की अगुवाई वाली एनडीए सरकार को अपने नंबर मजबूत करना चाहती है। शरद पवार की अगुवाई वाली एनसीपी के पास आठ सांसद हैं। इसमें छह सांसदों के कभी भी साथ छोड़ने की स्थिति खड़ी हो सकती है। एनसीपी की राजनीति पर नजर रखने वाले जानकार कहते हैं कि अगर ये सांसद बीजेपी में जाएंगे तो राजनीतिक तौर पर हंगामा खड़ा हो सकता है लेकिन अगर अजित पवार की अगुवाई वाली एनसीपी में जाते हैं तो वे यह कह सकते हैं कि वे असली एनसीपी में आ गए हैं क्योंकि पिछले साल विधानसभा स्पीकर और कोर्ट ने अजित पवार की अगुवाई वाली पार्टी को असली एनसीपी माना था। महाराष्ट्र में चर्चा है कि अगर शरद पवार की अगुवाई वाली एनसीपी को अपने सांसद बचाने हैं तो सत्ता के करीब जाना होगा। सत्ता पर दोनों जगह बीजेपी काबिज है। अगर केंद्र में शरद पवार पीएम मोदी की अगुवाई वाली सरकार को समर्थन देते हैं तो उनके सांसद न सिर्फ सुरक्षित रहेंगे बल्कि टूट का खतरा टल जाएगा।

सुप्रिया बन सकती हैं मंत्री

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि पवार कौन सी गुगली फेंकने वाले हैं। इसका अनुमान लगाना कठिन है। पिछले दिनों एक उद्योगपति की पहल पर शरद पवार के बीजेपी के करीब जाने की अटकलें लगी थीं।

फास्ट ट्रैक

वानगांव और दहानु रोड स्टेशनों के बीच ब्लॉक के कारण कुछ ट्रेनें प्रभावित होंगी

मुंबई, रविवार, 23 फरवरी, 2025 को मुंबई सेंट्रल मंडल के वानगांव और दहानू रोड स्टेशनों के बीच मोनोपोल के स्थानांतरण/व्यपवर्तन/ऊंचाई बढ़ाने के लिए ब्लॉक लिया जाएगा ।23 फरवरी, 2025 को 09.50 बजे से 10.50 बजे तक एक घंटे का ब्लॉक अप और डाउन मेन लाइनों पर लिया जाएगा, जिसके कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें प्रभावित होंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 23 फरवरी, 2025 को प्रभावित होने वाली ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है:-

शॉर्ट टर्मिनेट / आंशिक रूप से निरस्त होने वाली ट्रेनें:-

1. 07.42 बजे चर्चगेट से रवाना होने वाली ट्रेन संख्या 93011 चर्चगेट - दहानू रोड लोकल, वानगांव में शॉर्ट टर्मिनेट होगी और इसलिए ट्रेन संख्या 93011 और 93016 वानगांव और दहानू रोड के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी ।

2. 09.30 बजे विरार से रवाना होने वाली ट्रेन संख्या 93013 विरार-दहानू रोड लोकल, बोईसर में शॉर्ट टर्मिनेट होगी और इसलिए ट्रेन संख्या 93013 और 93014 बोईसर और दहानू रोड के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी ।

रेगुलेट होने वाली ट्रेनें:-

1. ट्रेन संख्या 12934 अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल कर्णावती एक्सप्रेस 35 मिनट रेगुलेट होगी।

2. ट्रेन संख्या 09653 अजमेर-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल 01 घंटे रेगुलेट होगी।

हवाला से चंडीगढ़ भेजी रकम, मुंबई से खुद पहुंचा जम्मू, प्रीतम चक्रवर्ती का असिस्टेंट 40 लाख की चोरी में अरेस्ट

प्रीतम चक्रवर्ती के ऑफिस से 40 लाख रुपये की चोरी हुई

- आरोपी आशीष सायल को जम्मू से गिरफ्तार किया गया
- पुलिस ने चोरी के 34 लाख रुपये बरामद किए

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई : फिल्म इंडस्ट्री के फेमस संगीतकार प्रीतम चक्रवर्ती के गोरेगांव स्थित ऑफिस से 40 लाख रुपये नगद चोरी हुए। पुलिस ने आरोपी ऑफिस असिस्टेंट आशीष सायल को जम्मू से गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना इसी महीने की शुरूआत में हुई थी। मलाड पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद आरोपी को पकड़ा है। चोरी की 90 फीसदी से ज्यादा रकम को बरामद भी कर लिया गया है हवाला के जरिए चंडीगढ़ भेजी रकम आशीष सायल प्रीतम के ऑफिस में असिस्टेंट का काम करता था। चोरी के बाद वह 10 घंटे तक पश्चिमी उपनगरों में घूमता रहा। उसने चोरी के सारे पैसे हवाला के जरिए चंडीगढ़ भेज दिए। इसके बाद वो खुद भी फ्लाइट से चंडीगढ़ चला गया। पुलिस ने अब तक 34 लाख रुपये बरामद कर लिए हैं। साथ ही, सायल ने चोरी के पैसों से एक आईफोन भी खरीदा था, जिसकी कीमत 2.8 लाख रुपये है, वो भी पुलिस ने बरामद कर लिया है ।काम के मिले थे 40 लाख रुपये प्रीतम चक्रवर्ती को एक फिल्म प्रोड्यूसर ने काम के लिए 40 लाख रुपये दिए थे। उनके मैनेजर ने ये पैसे एक बैग में रखकर ऑफिस में रख दिए थे। 4 फरवरी की रात करीब साढ़े दस बजे, सायल वो बैग लेकर गायब हो गया। सायल पिछले सात सालों से प्रीतम के लिए काम कर रहा था, इसलिए संगीतकार ने पुलिस में शिकायत करने से पहले एक दिन इंतजार करने का फैसला किया।

महाकुंभ को भव्य और दिव्य बनाने में में रेलवे की अग्रणी भूमिका

तीर्थयात्रियों ने 14 हजार से ज्यादा ट्रेनों का लिया लाभ

- अभी तक 3.6 करोड़ श्रद्धालुओं को कुंभ एरिया में हैंडल किया गया
- 92% ट्रेनें मेल, एक्सप्रेस, सुपर-फास्ट, पैसेंजर और मेमो श्रेणी की रहीं, जबकि 472 राजधानी और 282 वंदे भारत ट्रेनें संचालित हुईं
- 50% ट्रेनें उत्तर प्रदेश से शुरू हो के प्रयागराज एरिया को आयी जबकि दिल्ली से 11%, बिहार से 10% और महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, राजस्थान व गुजरात जैसे अन्य राज्यों से 3-6% ट्रेनें आईं

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

नई दिल्लीः आस्था के महासागर प्रयाग तीर्थ के संगम तट पर चल रहे महाकुंभ के विराट आयोजन में ऐसे तो तमाम विभागों और एजेंसियों ने अपनी-अपनी भूमिकाओं का निर्वाह किया, लेकिन इसमें रेलवे की भूमिका निसंदेह अग्रणी है। इस विशाल आयोजन में रेलवे ने जिस तरह पूरे देश भर से तीर्थयात्रियों को प्रयाग की पुण्यभूमि तक पहुंचने में मदद की, वह न सिर्फ अभूतपूर्व है, बल्कि रेल संचालन की दृष्टि से कई मामलों में अनोखा रिकार्ड भी बना है। हालांकि महाकुंभ अब समापन की ओर है, लेकिन एक अनुमान के मुताबिक करीब डेढ़ माह के इस आयोजन में 12 से 15 करोड़ तीर्थयात्रियों ने ट्रेन यात्रा का लाभ कही ना कन्ही उठाया। दूसरे शब्दों में महाकुंभ के करीब एक चौथाई तीर्थयात्रियों ने प्रयागराज या अगल बगल के प्रमुख शहरों तक पहुंचने में ट्रेनों की ही मदद ली। इस बार प्रयागराज के महाकुंभ को दिव्य और भव्य बनाने के संकल्प को पूरा करने में रेलवे ने आगे बढ़कर भूमिका निभाई। यह बताने की जरूरत नहीं कि दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले अपने देश में रेलवे पर कितना दवाब है। ऐसे में महाकुंभ के आयोजन से बहुत पहले से ही रेलवे अपनी कार्ययोजना को मूर्त रूप देने में जुट गया था। इसके तहत देश के विभिन्न हिस्सों से तीर्थयात्रियों की अनुमानित संख्या के हिसाब से ट्रेनों के संचालन की योजना बनाई गई। साथ ही महाकुंभ को दौरान भीड़ बढ़ने की स्थिति में आपात योजना भी बनाई गई। आम दिनों में ट्रेनों में रहने वाली भीड़ के मद्देनजर रेलवे ने इसके लिए विशेष उपायों को अपनाया। इसके तहत किसी एक रूट, ट्रेन या बड़े स्टेशन पर दवाब को हटाने के लिए विशेष इंतजाम किए गए। तीर्थयात्रियों की संख्या और मांग के अनुरूप एक के बाद एक विशेष ट्रेनें चलाई गईं। यह आंकड़ा थोड़ा विस्मित भी करता है कि महाकुंभ की शुरूआत से लेकर अब तक 13,667 ट्रेनें तीर्थयात्रियों को लेकर प्रयागराज और उसके अन्य स्टेशनों तक पहुंचीं। इनमें 3,468 विशेष ट्रेनों की सुरुअत कुंभ एरिया से हुई, एवं 2008 ट्रेनों कुंभ एरिया बाहर से आयी, बाकी 8,211 नियमित ट्रेनें थीं। शहर में प्रयागराज समेत कुल नौ स्टेशन हैं, जहां ट्रेनों का आवागमन हुआ। अकेले प्रयागराज स्टेशन पर ही पांच हजार ट्रेनें का लाभ श्रद्धालुओं को मिला । प्रयागराज एरिया के किस स्टेशन से कितनी ट्रेनों की सुधिधा मिली (इसमें कुछ ट्रेन्स कई स्टेशनों पे रुक कर श्रद्धालुओं को ले कर चली ।

कर्नाटक में हमले के बाद महाराष्ट्र सरकार ने रोकी एमसीआरटीसीकी बस सेवा

- महाराष्ट्र ने कर्नाटक के लिए रोकी बस सेवा
- चित्रदुर्ग में एमसीआरटीसी बस कंडक्टर पर हमला
- बेलगावी में मराठी नहीं बोलने पर पीटा गया
- कर्नाटक में महाराष्ट्र की बस पर हमला।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः कर्नाटक में एक एमसीआरटीसी बस पर हमले के बाद महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने शनिवार को कर्नाटक जाने वाली राज्य परिवहन बसों को रोकने का आदेश दिया। सरनाईक ने बताया कि महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम की एक बस पर हमला हुआ था। यह बस बेंगलुरु से मुंबई जा रही थी। इसी दौरान शुक्रवार रात कर्नाटक के चित्रदुर्ग में कन्नड़ समर्थकों ने हमला किया। हमलावरों ने बस ड्राइवर भास्कर जाधव का चेहरा काला कर दिया और उनके साथ मारपीट भी की। कर्नाटक सरकार ने अब बड़ा फैसला लिया है।

सरनाइक के कड़े तेवर

सरनाईक ने शनिवार किो कहा कि कर्नाटक सरकार जब तक इस मामले पर अपना रुख साफ नहीं करती, तब तक बस सेवाएं फिर से शुरू नहीं होंगी। यह घटना चिंताजनक है और दोनों राज्यों के बीच तनाव बढ़ा सकती है। सरकारों को जल्द से जल्द इस मुद्दे का समाधान निकालना चाहिए ताकि आम लोगों को परेशानी न हो। यह हमला ऐसे वक्त पर हुआ है जब महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री बनने के बाद कुछ दिन पहले ही प्रताप सरनाइक कर्नाटक के दौरे पर गए थे। वहां उन्होंने कर्नाटक रोडवेज के काम करने के तौर तरीकों का अध्ययन किया था।

डॉ. आर.ए.तिवारी फाउंडेशन (पंजीकृत) द्वारा कंपोजिट विद्यालय में टिफिन बॉक्स और पानी बॉटल का वितरण

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क /आदेश मिश्र

जौनपुर , सामाजिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक ट्रस्ट डॉ आर.ए.तिवारी फाउंडेशन द्वारा ग्राम पोखरा (ग्राम सभा विजय गिर-पोखरा, ब्लाक बरसठी तहसील मड़ियाहूं, जौनपुर) में स्थित कंपोजिट विद्यालय (कक्षा पहली से आठवीं कक्षा तक) को टिफिन बॉक्स और पानी बॉटल वितरण सैकड़ों ग्रामीण वासियों और विद्यालय के अध्यापकों की सादर उपस्थित में किया किया गया। ट्रस्ट के चेयरमैन डॉ राधेश्याम तिवारी की अध्यक्षता और कथावाचक परमपूज्य आचार्य धीरज भाई जी और वरिष्ठ अधिवक्ता एडवोकेट महेंद्रप्रताप मिश्रा के सानिध्य में संपन्न इस प्रेरक कार्यक्रम में अतिथि के रूप विशेष रूप इसी कार्यक्रम के लिए मुंबई से पधारे समाजसेवी, शिक्षाविद् डॉ. हृदय नारायण मिश्रा, वरिष्ठ समाजसेवी इंद्रमणि दुबे, ग्राम प्रधान अच्छेलाल विश्वकर्मा, समाजसेवी लक्ष्मीनारायण तिवारी, अरविंद तिवारी, चंद्रमणि दुबे और राघवेन्द्र सेवा मंच के उत्तर प्रदेश प्रभारी पप्पू दुबे उपस्थित थे। ट्रस्ट के मंत्री डॉ. शिवश्याम तिवारी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए ट्रस्ट की समस्त बहुआयामी गतिविधियों पर प्रकाश डाला। विद्यालय परिवार की ओर से मुख्याध्यापक राजकमल राव ने आभार माना। अंत में ट्रस्ट की ओर से लंच के रूप में पूरी भांजी की व्यवस्था की गयी।

'हाउसिंग जिहाद' से मुंबई में हिंदुओं को अल्पसंख्यक बनाने की साजिश, शिवसेना नेता संजय निरुपम का आरोप

- संजय निरुपम ने एसआरए प्रोजेक्ट्स में 'हाउसिंग जिहाद' का आरोप लगाया
- हिंदू निवासियों को अल्पसंख्यक दिखाकर मुस्लिम आबादी बढ़ाने का आरोप
- संजय निरुपम ने जोगेश्वरी और ओशिवरा प्रोजेक्ट्स की जांच की मांग की है

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः शिवसेना के उपनेता संजय निरुपम ने स्लम पुनर्विकास प्रोजेक्ट्स (एसआरए) में हाउसिंग जिहाद जैसे गंभीर मामले उठाए हैं। उन्होंने कुर्ला, जोगेश्वरी, अंधेरी और मलाड जैसे अन्य इलाकों में हिंदू निवासियों को अल्पसंख्यक बनाकर मुस्लिम आबादी को बहुसंख्यक करने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। पूर्व सांसद निरुपम ने जोगेश्वरी पश्चिम स्थित श्री शंकर एसआरए प्रोजेक्ट और ओशिवरा पैराडाइज 1 और 2 की तत्काल जांच कर सख्त कार्रवाई की मांग की है।निरुपम ने आरोप लगायाशुक्रवार को बालासाहेब भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में निरुपम ने आरोप लगाया कि कुछ बिल्डर मुंबई में मुस्लिम आबादी बढ़ाने के लिए एसआरए प्रोजेक्ट्स का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं।

पश्चिम रेलवे

सामग्री प्रबंधन विभाग

विभिन्न सामग्री की आपूर्ति

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना क्र. एस/11/2025 दिनांक 13.02.2025

अ. क्र.	आइटम्स का संक्षिप्त विवरण	मात्रा	टी.ओ.डी.
85	मे. फैवेली मेक पार्ट नं. 1/600008ए के अनुसार एन2 बोर्ड	22 नग	10-मार्च-25
86	हिताची टाइप ट्रैक्शन मोटर हेतु कार्बन ब्रश	15849 नग	12-मार्च – 25
87	ट्रांसफॉर्मर ऑइल कूलर हेतु ब्लोअर	80 सेट	12-मार्च-25
88	डब्ल्यूएजी-9एचसी हेतु पिनियन शाफ्ट 21 टीथ	207 नग	13-मार्च-25
89	पॉवर केबल, आकार 2 कोर x 25 वर्ग मिमी.	184.5 किमी.	14-मार्च-25
90	जेडयू-1-60/60ईए थिक वेब टंग रेल के साथ 10125 एमएम कर्व्ड स्विचेस	720 सेट	18-मार्च-25
91	ईपी (लाइन) कॉन्टैक्टर हेतु सपोर्ट क्लैम्प	2571 नग	19-मार्च-25
92	को-को बोगी फ्रेम	16 सेट	21-मार्च-25

शुद्धिपत्र

कृपया निविदा सूचना क्र. एस-04-2024, दिनांक : 15.01.2025 में अ.क्र. 28 हेतु निर्धारित तिथि को 20.02.2025 पढ़ें.

विस्तृत सूचना ईएमडी, क्रय प्रतिबंध तथा विस्तृत निविदा शर्तों के बारे में विस्तृत जानकारी के लिये कृपया वेबसाइट **www.ireps.gov.in** तथा **www.wr.indianrailways.gov.in** का अवलोकन करें.

कृते प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक

1112

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: twitter.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

एलएचबी के व्हील्स हेतु परीक्षण

मंडल रेल प्रबंधक (यांत्रिक) मुंबई सेंट्रल, मुंबई – 400 008 द्वारा ई-निविदा सूचना क्र. : रि-1-एम137-19-बीडीटीएस-ईसीए-23, दि. 20.02.2025 आमंत्रित की जाती है. **कार्य का नाम** : 01 वर्ष हेतु कोचिंग डिपो बांद्रा टर्मिनस में एलएचबी कोचेस के व्हील्स हेतु एडी करेंट अरे (ईसीए) परीक्षण. **कार्य की अनुमानित लागत** : रु. 42,63,495.57. **ईएमडी** : रु. 85,300/-. **बोली की आरंभिक तिथि** : 28.02.2025. **खुलने की तिथि एवं समय** : 14.03.2025 को 15.00 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें. **मैन्युअल प्रस्ताव पर कोई विचार नहीं किया जाएगा.**

1107

Like us on: facebook.com/WesternRly

मध्य रेल द्वारा मुंबई - नागपुर / मडगांव / नांदेड़ एवं पुणे - नागपुर के दरम्यान 28 होली स्पेशल ट्रेनें चलाई जायेंगी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मध्य रेल होली के त्यौहार के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए मुंबई - नागपुर / मडगांव / नांदेड़ एवं पुणे - नागपुर के दरम्यान 28 होली स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएगी। जिनका विवरण इस प्रकार है:

1. छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस - नागपुर- छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस द्वि-साप्ताहिक स्पेशल (8 सेवा)

ट्रेन संख्या 02139 द्वि-साप्ताहिक स्पेशल 09.03.2025, 11.03.2025, 16.03.2025 एवं 18.03.2025 (रविवार और मंगलवार) को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से 00.20 बजे रवाना होगी और नागपुर को उसी दिन 15.10 बजे पहुंचेगी

ट्रेन संख्या 02140 द्वि-साप्ताहिक विशेष ट्रेन 09.03.2025, 11.03.2025, 16.03.2025 और 18.03.2025 (रविवार और मंगलवार) को नागपुर से 20.00 बजे रवाना होगी और छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस को अगले दिन 13.30 बजे पहुंचेगी।

संरचनाः एक फर्स्ट एसी, 1 फर्स्ट एसीसह एसी-2 टियर, 2 एसी-2 टियर, 10 एसी-3 टियर, 4 स्लीपर क्लास, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 सामान्य द्वितीय श्रेणीसह गार्ड ब्रेक वैन।

ठहरावः दादर, ठाणे, कल्याण, इगतपुरी, नासिक रोड, मनमाड, जलगांव, भुसावल, मलकापुर, शेगाँव, अकोला, मुर्तिजापुर, बडनेरा, धामणगांव और वर्धा।

2. छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस - मडगांव- छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल (4 सेवा)

ट्रेन संख्या 01151 साप्ताहिक स्पेशल 06.03.2025 और 13.03.2025 (गुरुवार) को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से 00.20 बजे रवाना होगी और उसी दिन 13.30 बजे मडगांव पहुंचेगी।

ट्रेन संख्या 01152 साप्ताहिक स्पेशल 06.03.2025 और 13.03.2025 (गुरुवार) को मडगांव से 14.15 बजे रवाना होगी और छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस को अगले दिन 03.45 बजे पहुंचेगी।

संरचनाः एक फर्स्ट एसी, 1 फर्स्ट एसी कम एसी-2 टियर, 2 एसी-2 टियर, 10 एसी-3 टियर, 4 स्लीपर क्लास, 4 जनरल सेकंड क्लास और 2 जनरल सेकंड क्लास कम गार्ड ब्रेक वैन।

ठहरावः दादर, ठाणे, पनवेल, पेण, रोहा, मानगांव, खेड़, चिपलूण, संगमेश्वर रोड, रत्नागिरी, अडावली, विलवडे, राजापुर रोड, वैभववाड़ी रोड, कणकवली, सिंधुदुर्ग, कुडाल, सावंतवाड़ी रोड और थिवि।

3. लोकमान्य टिळक टर्मिनस - मडगांव- लोकमान्य टिळक टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल (4 सेवा)

ट्रेन संख्या 01129 साप्ताहिक स्पेशल 13.03.2025 और 20.03.2025 (गुरुवार) को लोकमान्य टिळक टर्मिनस से 22.15 बजे रवाना होगी और मडगांव अगले दिन 10.30 बजे पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 01130 साप्ताहिक स्पेशल 14.03.2025 और 21.03.2025 (शुक्रवार) को मडगांव से 14.30 बजे रवाना होगी और लोकमान्य टिळक टर्मिनस अगले दिन 04.05 बजे पहुंचेगी।

संरचनाः एक फर्स्ट एसी, 2 एसी 2-टियर, 6 एसी 3-टियर, 8 स्लीपर क्लास,1 पेंट्री कार और 2 जेनरेटर कार।

ठहरावः ठाणे, पनवेल, पेन, रोहा, मानगांव, वीर, खेड़, चिपलून, संगमेश्वर रोड, रत्नागिरी, अडावली, विलावडे, राजापुर रोड, वैभववाड़ी रोड, नंदगांव रोड, कणकवली, सिंधुदुर्ग, कुडाल और सावंतवाड़ी रोड।

4. लोकमान्य टिळक टर्मिनस - हजूर साहिब नांदेड़ - लोकमान्य टिळक टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल (4 सेवा)

ट्रेन संख्या 01105 साप्ताहिक स्पेशल 12.03.2025 और 19.03.2025 (बुधवार) को लोकमान्य टिळक टर्मिनस से 00.55 बजे रवाना होगी और उसी दिन 21.00 बजे नांदेड़ पहुंचेगी।

ट्रेन संख्या 01106 साप्ताहिक विशेष गाड़ी 12.03.2025 और 19.03.2025 (बुधवार) को नांदेड़ से 22.30 बजे रवाना होगी और लोकमान्य टिळक टर्मिनस को अगले दिन 16.05 बजे पहुंचेगी।

संरचनाः एक प्रथम एसी, 1 एसी 2-टियर, 5 एसी-3-टियर, 8 स्लीपर क्लास, 4 सेकंड सीटिंग, 1 पेंट्री, 1 जेनरेटर वैन और 1 सेकंड क्लास कम गार्ड ब्रेक वैने

ठहरावः ठाणे, कल्याण, लोणावला, पुणे, दौण्ड, कुडुर्वाडी, बारसी टाउन, उस्मानाबाद, लातूर, लातूर रोड, परली, गंगाखेड, परभणी और पूर्णा

5. पुणे - नागपुर- पुणे साप्ताहिक विशेष (4 ट्रिप)

ट्रेन संख्या 01469 साप्ताहिक विशेष ट्रेन 11.03.2025 और 18.03.2025 (मंगलवार) को पुणे से 15.50 बजे रवाना होगी और नागपुर अगले दिन 06.30 बजे पहुँचेगी।

ट्रेन संख्या 01470 साप्ताहिक स्पेशल 12.03.2025 और 19.03.2025 (बुधवार) को नागपुर से 08.00 बजे रवाना होगी और पुणे उसी दिन 23.30 बजे पहुंचेगी।

संरचनाः तीन एसी 2-टियर, 15 एसी 3-टियर, 1 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड ब्रेक वैन और 1 जेनरेटर वैन।

6. पुणे - नागपुर - पुणे साप्ताहिक स्पेशल (4 सेवा)

ट्रेन संख्या 01467 स्पेशल 12.03.2025 और 19.03.2025 (बुधवार) को पुणे से 15.50 बजे रवाना होगी और नागपुर अगले दिन 06.30 बजे पहुंचेगी।

ट्रेन संख्या 01468 स्पेशल 13.03.2025 और 20.03.2025 (गुरुवार) को नागपुर से 08.00 बजे रवाना होगी और पुणे उसी दिन 23.30 बजे पहुंचेगी।

संरचनाः एक प्रथम एसी, 1 एसी 2-टियर, 2 एसी 3-टियर, 5 स्लीपर क्लास, 6 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड ब्रेक वैन।

01469/01470 और 01467/01468 के लिए ठहरावः उरुली, दौंड कॉर्ड लाइन, अहमदनगर, बेलापूर, कोपरगांव, मनमाड, जलगांव, भुसावल, मलकापूर, शेगांव, अकोला, बडनेरा, धामणगांव और वर्धो

आरक्षणः विशेष ट्रेन संख्या 02139/02140, 01151/01152, 01129/01130, 04169/04170, 01467/01468 और 01105 के लिए विशेष शुल्क पर बुकिंग 24.02.2025 को सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों और वेबसाइटwww.irctc.co.in पर मिलेंगी।

विस्तृत समय और ठहराव के लिए कृपया www. enquiry .indianrail.gov.in पर जाएं या NTES ऐप डाउनलोड करें।

मध्य रेल

भुसावल मंडल

ई-निविदा अनुसूची

ई-निविदा नोटीस क्र. बीएसएल/एसीएल/56255087

उप मुख्य सामुग्री प्रबंधक एसीएल, मध्य रेल भुसावल और भारत के राष्ट्रपति द्वारा ई-निविदा आमंत्रित कि जा रही है। **ई- निविदा क्र. 56255087 जिसका समापन दिनाँक 21-MAR-2025 को 11.30 बजे है।** बोली लगाने वाले अपनी निविदा उपर दि गई तारीख तक जमा कर सकते है। केवल ई- बीड / ई-निविदा ही स्विकृत की जाएगी। हाथसे लिखा हुआ बीड स्विकृत नहीं किया जाएगा। **1] टेंडर शीर्षक:- निविदा नंबरः 56255087. निविदा प्रकार**: खूला/ विज्ञापित. **बोली लगाने की प्रक्रिया**: एकल बोली प्रक्रिया. **निरिक्षण संस्था**: TPI . **प्रकाशन दिनाँक/समय**: 20.02.2025, 17:16:48. **अनुमानित मूल्य** : ₹ 12606720/-. **अंतीम तिथी**: 21-MAR-2025, 11:30 Hrs. **ऑफर की वैधता**: 90 Days. **मात्रा**: 12 Nos. **2] मद का विवरण**:- Gear Box Case Machined Complete for WAP-5 Locomotive as per CLW Drg No.1210-01-113-004 Alt-2 or Latest. **3] विशेष सूचना**: इस निविदा का संपुर्ण विवरण **https://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

AK/BSL-07

टिकट के लिए UTS APP डाउनलोड करे

पश्चिम रेलवे - राजकोट मंडल

BOOT मॉडल पर मैकेनाइज्ड लांड्री की स्थापना के लिए टर्नकी अनुबंध

निविदा सूचना संख्या : M-2025-02-BOOT-LD-OKHA दिनांक 20.02.2025 (i) कार्य का नाम: 1.5 टीपीएस/3 टीपीडी के BOOT (बिल्ड, ओन, ऑपरेट और ट्रांसफर) मॉडल पर मैकेनाइज्ड लांड्री की स्थापना के लिए टर्नकी अनुबंध, जिसमें धुलाई/सफाई, सुखाने, प्रेस करने/इस्त्री करने, मैकेनाइज्ड लांड्री में लिनन की पैकेजिंग और गंदे लिनन को ओखा स्टेशन पर वांछित स्थान से लांड्री तक परिवहन और धुले हुए लिनन को पैक किए गए बेडरोल सेट में लांड्री से ओखा स्टेशन पर वांछित स्थान तक दस वर्षों की अवधि के लिए पहुंचाना और ओखा आधारित प्राथमिक रखरखाव ट्रेनों के एसी कोचों में ऑन बोर्ड लिनन वितरण शामिल है। **(ii) लगभग लागत :** ₹43,74,98,963.36 **(iii) बयाना राशि :** ₹23,37,500/- **(iv) निविदा प्रस्तुत करने की तिथि एवं समय :** 14.03.2025 को 15.00 बजे तक तथा 14.03.2025 को 15.30 बजे निविदा खोली जाएगी। **(v) कार्यालय का पता जहां से निविदा फार्म खरीदा जा सकता है और नोटिस बोर्ड का स्थान :** मंडल रेल प्रबंधक (यांत्रिक), पश्चिम रेलवे, कोठी कंपाउंड राजकोट-360001 **वेबसाइट विवरण:** www.ireps.gov.in

174

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

जनता दरबार के पूर्व महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री गणेश नाईक ने किया ठाणे का दौरा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , महाराष्ट्र के मंत्री व भाजपा नेता गणेश नाईक पिछले कुछ दिनों से ठाणे में जनता दरबार लगाने को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। आज मंत्री गणेश नाईक और पूर्व सांसद संजीव नाईक ने जनता दरबार की पूर्व तैयारियों का जायजा लिया। आज ठाणे में आने के दौरान श्रीराम व्यायाम शाला सेवा संस्था की निमार्णाधीन नई इमारत का निरीक्षण किया। यह इमारत कई वर्षों से सामाजिक आंदोलनों का केंद्र रही है। ठाणे में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कार्य इसी भवन से प्रारंभ हुआ था। मंत्री गणेश नाईक ने इस इमारत का चल रहे निर्माण कार्य की जानकारी ली। इस भवन के निर्माणकर्ता महेश भास्कर जोशी ने मंत्री को पूरे प्रोजेक्ट की विस्तृत जानकारी दी। यह इमारत कई दानवीरों और स्वयंसेवकों के समर्पण से बन रही है और भविष्य में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रमुख इमारतों में से एक के रूप में जानी जाएगी। मंत्री नाईक ने इस कार्य में अपना योगदान देने की इच्छा व्यक्त की और आगामी विकास कार्यों में आवश्यक प्रशासनिक सहायता देने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर निर्माण कार्य के सिविल ठेकेदार अनिल कुलकर्णी, रुद्र प्रतिष्ठान के धनंजय सिंह, अजय भाभे, अक्षय टांकसाळे आदि पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस दौरान सोमवार 24 दिसंबर को ठाणे में मंत्री नाईक ने जनता दरबार लगाने की घोषणा किया है। इस मुद्दे को लेकर राज्य की सत्ताधारी गठबंधन के घटक दल भाजपा और शिवसेना शिंदे गुट के बीच बयान बाजी देखने को मिली है। आज पूर्व सांसद डा नाईक ने कहा है कि पहले से जनता दरबार के लिए लोगों के आवेदन आ रहे हैं। लोग जनता दरबार की बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। समाजसेवी धनंजय सिंह ने जनता दरबार के प्रचार प्रसार में कोई कसर नहीं छोड़ी है जिससे लोग जनता दरबार का इंतजार कर रहे हैं।

जिले में 17 हजार 975 घरकुल पात्र लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र व पहली किस्त वितरण

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण चरण-2 के अंतर्गत सभी के लिए आवास नीति के अंतर्गत आज केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह एवं मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडनवीस के हाथों राज्य के 20 लाख लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित किये गये और 10 लाख लाभार्थियों को पहली किस्त आन लाईन प्रणाली के माध्यम से एक क्लिक में प्रदान की गई।

ठाणे जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना चरण 2 के तहत लक्ष्य 18 हजार 248 लाभार्थी हैं जिसमें से कुल 17 हजार 975 घरकुल लाभार्थियों को तालुकवार स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया है। आज जिला स्तर पर प्रतिनिधि रूप में जिला नियोजन भवन, जिलाधिकारी कार्यालय, ठाणे में आयोजित कार्यक्रम में15 लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित किये गये। साथ ही सभी पात्र लाभार्थियों को प्रथम किस्त का वितरण भी कर दिया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के प्रथम चरण में घरकुल का कार्य सफलतापूर्वक पूरा करने वाले तीन लाभार्थियों को घरकुल की कुंजी प्रतिकृति देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर कोंकण संभागीय आयुक्त डॉ. विजय सूर्यवंशी, जिलाधिकारी अशोक शिनगारे, मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे, सहायक आयुक्त (पुनर्वास) अमोल यादव, परियोजना निदेशक छायादेवी शिसोडे, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सामान्य प्रशासन) अविनाश फड़तरे, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (ग्राम पंचायत प्रभाग) प्रमोद काले के साथ ही इस योजना के लाभार्थी, जिला ग्रामीण विकास प्रणाली विभाग के अधिकारी और कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

राज्य में ठाणे जिले में घरकुल का काम अच्छा हुआ है। आज प्रदेश के हर जिले में कार्यक्रम चल रहा है और हर ग्राम पंचायत में स्वीकृति पत्र वितरण कार्यक्रम चल रहा है। हर व्यक्ति के पास अपना घर होना जरूरी है। इस वजह से लाभार्थियों को गुणवत्तापूर्ण, उत्कृष्ट पालने बनाने की पहल करनी चाहिए। साथ ही कोंकण संभागीय आयुक्त डॉ. सूर्यवंशी अपील की कि प्रशासन के साथ-साथ लाभार्थियों को भी आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने और मृत लाभार्थियों के परिवारों के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए।घरकुल पंजीकरण और अनुमोदन के मामले में ठाणे जिला महाराष्ट्र में अग्रणी है। ग्रामीणों के सपनों के घर को पूरा करने के लिए प्रशासन प्रतिबद्ध है। आवास दिलाने के लिए केंद्र सरकार, राज्य सरकार एवं जिला परिषद के माध्यम से आवश्यक कार्रवाई की गयी है। जिलाधिकारी अशोक शिनगारे ने अपील की कि जिस तरह से जिला प्रशासन काम कर रहा है, लाभार्थी भी समय पर आवास निर्माण पूरा करने की पहल करें। कार्यक्रम की शुरूआत में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे ने कहा कि जिला ग्रामीण विकास प्रणाली विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने घरकुल को पंजीकृत करने और मंजूरी देने का काम मिशन मोड में केवल 7 दिनों में पूरा किया है। उन्होंने विभाग की सराहना करते हुए लाभार्थियों को स्वीकृत आवासों को यथाशीघ्र पूर्ण करने की शुभकामना भी दी।ठाणे जिले में जिला स्तर, तालुका स्तर और ग्राम पंचायत स्तर पर अनुमोदन पत्र वितरण और प्रथम किस्त वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस समय 17 हजार 975 पात्र लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित किये जा चुके हैं तथा लाभार्थियों को प्रथम किस्त भी वन क्लिक से वितरित की जा चुकी है।

फास्ट ट्रैक

खेत में गाय जाने पर हुआ विवाद

दबंगों ने तमंचा लहराया, कई बार फायरिंग की

शाहजहांपुर, थाना मदनापुर क्षेत्र में खेत में गाय जाने को लेकर हुए विवाद में दबंगों पर फायरिंग करने का आरोप लगा है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में एक व्यक्ति तमंचा लोड करता दिख रहा है। पडरी गांव के प्रीतम सिंह ने पुलिस में शिकायती पत्र दिया है। उन्होंने बताया कि 20 फरवरी की रात करीब 10 बजे वह खेत में गायों की देखभाल कर रहे थे। इसी दौरान तिलहर थाना क्षेत्र के कुछ दबंगों से विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर एक दबंग ने तमंचे से फायर कर दिया। फायरिंग में एक गाय घायल हो गई। इसके बाद भी दबंगों ने कई बार फायरिंग की। प्रीतम सिंह बाल-बाल बच गए। घटना के समय वहां दबंग के साथ करीब 10-12 लोग मौजूद थे। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

विवाहिता ने की आत्महत्या

प्रेम प्रसंग में तीन बच्चों की मां लगाई फांसी, मोबाइल जब्त कर जांच शुरू

जलालाबाद, थाना क्षेत्र के गांव कोहली में एक विवाहिता ने कमरे में दुपट्टे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान मंजू के रूप में हुई है। घटना के समय मृतका का पति महिपाल हरियाणा में मजदूरी कर रहा था। सूचना मिलने पर वह गांव पहुंचा। शनिवार की सुबह करीब 10 बजे रायबरेली जिले के ऊंचाहार थाना क्षेत्र से मायके के लोग भी मौके पर पहुंचे। दरवाजा तोड़कर शव को नीचे उतारा गया। ग्रामीणों के अनुसार, मृतका का पड़ोस के एक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। वह फोन पर उससे बात करती थी। पुलिस ने मृतका का मोबाइल फोन जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतका के तीन बच्चे हैं। पुलिस ने पंचनामा की कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की गहन जांच की जा रही है।

सड़क हादसे में युवक की मौत

स्कूल जाते समय अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, इलाज के दौरान दम तोड़ा

तिलहर, कोतवाली क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। नेशनल हाईवे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से शिक्षा विभाग के एक कर्मचारी की मौत हो गई। मृतक की पहचान तिलहर नगर के मोहल्ला दातागंज निवासी प्रशांत पांडे (35) के रूप में हुई है। प्रशांत अपने पिता अनिल पांडे की मृत्यु के बाद शिक्षा विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद पर नियुक्त हुए थे। घटना उस समय हुई जब प्रशांत मोटरसाइकिल से मीरानपुर कटरा के गांव बतलैया स्थित सरकारी स्कूल जा रहे थे। तिलहर कोतवाली क्षेत्र के नेशनल हाईवे पर गांव धनेला के पास एक अज्ञात वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। गंभीर हालत में प्रशांत को पहले नगर के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। हालत में सुधार न होने पर उन्हें जिला अस्पताल और फिर लखनऊ रेफर किया गया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। प्रशांत की असामयिक मृत्यु से परिवार एक बार फिर शोक में डूब गया है।

अंबरनाथ नपा के ठेका सफाई कर्मचारी वेतन न मिलने से नाराज,शनिवार को भी हड़ताल पर रहे कर्मचारी

ठेकेदार द्वारा कचरा उठवाने की कोशिश नाकाम, पुराने कर्मचारियों ने विरोध स्वरूप जेसीबी मशीन की कांच तोड़ी।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. अंबरनाथ नपा की शिथिलता और साफ सफाई में हो रही लापरवाही से शहर में जगह जगह कचरे के ढेर लगे रहने से विगत कुछ महीनों से लगातार ये मुद्दा सुर्खियों में बना हुआ है। नागरिकों द्वारा इस मुद्दे पर रोष बढ़ता ही जा रहा है।अंबरनाथ नगरपालिका अपने स्वच्छता के कार्यों को लेकर एक वक्त प्रसिद्ध थी लेकिन वर्तमान में कूड़े के ढेरों को लेकर लोगों की नाराजगी का विषय बनी हुई है। ऐसे में सफाई व्यवस्था के ठेकेदार को नपा द्वारा बिल भुगतान न होने से वो कर्मचारियों को पिछले कुछ महीनों से वेतन नहीं दे पा रहा है,इससे नाराज होकर कर्मचारी हड़ताल पर जाने को मजबूर हो गए। इससे शहर में जगह जगह कूड़े के ढेर लग गए। शनिवार की सुबह 11 बजे ठेकेदार ने अपने कुछ कर्मचारियों को लेकर जेसीबी मशीन से स्टेशन परिसर के पास का कचरा उठाने की कोशिश की लेकिन पुराने कर्मचारियों को इसकी सूचना मिलते ही उन्होंने हंगामा खड़ा कर दिया। जेसीबी के कांच तोड़ दिए और कचरा उठाने नहीं दिया। इससे नाराज होकर ठेकेदार ने पुलिस में की शिकायत दर्ज कराई।बताते चले कि नपा प्रशासन ने शहर का कचरा उठाने का कार्य करने वाले ठेकेदार को अगस्त माह के बाद से बिल का भुगतान नहीं किया है। इसके चलते सफाई कर्मचारियों को वेतन भी नहीं मिल पाया। कूड़ा उठाने वाली घंटा गाड़ियों ने नाराज होकर शुक्रवार सुबह हड़ताल कर दी और शनिवार को भी निजी ठेका कर्मी हड़ताल पर रहे।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना 19 वीं किस्त 24 फरवरी को होगी जारी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे, पी एम किसान योजना के तहत 19 वीं किस्त का वितरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 फरवरी 2025 को दोपहर 2:00 बजे से 3:00 बजे तक करेंगे। कोंकण डिवीजन, ठाणे डिवीजनल के संयुक्त कृषि निदेशक अंकुश माने ने इस आशय की जानकारी दी है। किसान सम्मान समारोह का आयोजन बिहार राज्य के भागलपुर में किया गया है और कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया जाएगा। इस ऑनलाइन समारोह में सभी सांसद और विधायक मौजूद रहेंगे। इस कार्यक्रम में प्रगतिशील किसानों, कृषि विज्ञान केन्द्र एवं कृषि विभाग के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों को शामिल किया जायेगा। महाराष्ट्र राज्य के मंत्री (कृषि) ने सभी जिलों के संरक्षक मंत्रियों से भी इस कार्यक्रम में भाग लेने का अनुरोध किया है। कोंकण डिवीजन, ठाणे डिवीजनल संयुक्त कृषि निदेशक अंकुश माने ने अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में किसानों को भी इस कार्यक्रम में भाग लेना चाहिए।

उल्हासनगर में एक दुकान में आग लगने से लाखों का सामान जलकर खाक।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

उल्हासनगर. उल्हासनगर क्रमांक 3 फॉरवर लाइन रोड पर राधास्वामी चौक के पास स्थित जेठा इंटरप्राइजेज नामक गिफ्ट, प्राइज ,मेडल, झंडो,चुनावी सामग्री आदि की तिमंजला दुकान में शनिवार तड़के 4 बजे भीषण आग लगने से दुकान का पूरा सामान जल कर खाक हो गया। आग लगने कारण स्पष्ट नहीं हुआ है। लाखों का माल जल कर नष्ट हो गया। अग्निशमन दल की दमकल गाड़ियों ने 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

नगर पंचायत अध्यक्ष के नेतृत्व में भयहरण नाथ धाम में चला सफाई अभियान

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रतापगढ़ ,कटरा गुलाब सिंह प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में 25 वें महाकाल महोत्सव व महाशिवरात्रि मेला के मद्देनजर नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह के स्वच्छताग्रहियो द्वारा अधिशाषी अधिकारी के मार्गदर्शन व अध्यक्ष अशोक कुमार मुन्ना यादव के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान चलाया गया। अध्यक्ष मुन्ना यादव ने सभी स्वच्छताग्रहियो को मेला व महोत्सव के सुअवसर पर निष्ठा के साथ निरंतर सफाई में सहयोग की अपील की। स्थानीय कार्यकर्ताओ ने भी प्रतिभाग कर धाम परिसर में साफ सफाई बनाये रखने में अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया। कटरा गुलाब सिंह नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक कुमार (मुन्ना) यादव ने कहा कि महाशिवरात्रि पर्व पर पौराणिक स्थल भयहरणनाथ धाम विशाल और भव्य मेला का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर दूर दूर से लोग पूजा पाठ करने और ध्वज पताका लेकर आते हैं भारी संख्या में जल चढ़ी होती है इस अवसर पर श्रध्दालुओ की सुविधा का ख्याल रखना हमारी प्राथमिकता है साफ-सफाई, स्वच्छ पेयजल, जैसी व्यवस्था को गंभीरता से लिया जा रहा है भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के महासचिव समाज शेखर ने बताया कि भयहरणनाथ धाम महाशिवरात्रि मेला की तैयारी जोर-शोर से चल रही है।

पीएम सूर्यघर योजना में मिले 4900 आवेदन

- मंडलायुक्त का निर्देश- ग्राम पंचायतों में कैंप लगाकर करें पात्र लोगों का पंजीकरण

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

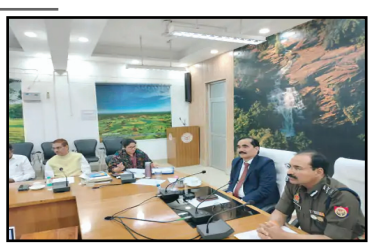

मिर्जापुर, विंध्याचल मंडलायुक्त बालकृष्ण त्रिपाठी ने मंडल के तीनों जिलों में प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना की समीक्षा की। जिले में इस योजना के लिए 4900 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। मंडलायुक्त ने सभी ग्राम पंचायतों को लक्ष्य निर्धारित किए हैं। उन्होंने अधीक्षण अभियंता विद्युत को योजना की व्यक्तिगत समीक्षा करने का निर्देश दिया। साथ ही ग्राम पंचायतों में कैंप लगाकर पात्र व्यक्तियों का पंजीकरण करने और उन्हें लाभान्वित करने को कहा। मंडल के तीनों जिलाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे इस योजना की नियमित समीक्षा करें। मंडलायुक्त ने बताया कि यह योजना मुख्यमंत्री की प्राथमिकताओं में से एक है। समीक्षा बैठक में सीएम डैशबोर्ड विकास कार्यों की भी जानकारी ली गई।

51 मदों में मंडल के तीनों जिलों को ए प्लस श्रेणी प्राप्त हुई है। मंडलायुक्त ने कहा कि बी और सी श्रेणी वाले अधिकारी अगले माह अपनी प्रगति में सुधार लाएं।

गौ तस्करी गैंग सक्रिय

- बाइक सवार बदमाशों ने दो गायों को चुराया, सीसीटीवी में कैद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मिर्जापुर, में गौ तस्करी का एक नया मामला सामने आया है। कटरा कोतवाली क्षेत्र से बाइक सवार बदमाशों ने दो गायों को चोरी कर लिया। एक गाय गणेशगंज की चौक वाली गली से और दूसरी मुसफ्फरगंज की यादव बस्ती से चोरी की गई। गणेशगंज निवासी आदित्य जायसवाल की गाय, जिसे लोग प्यार से गौरा कहते थे, पिछले तीन साल से परिवार का हिस्सा थी। सीसीटीवी फुटेज में दिखा कि दो बदमाश मोटरसाइकिल से मोहल्ले में आए। एक ने बाइक संभाली, जबकि दूसरे ने गाय को पुचकार कर उसे साथ ले गया। इसी तरह मुसफ्फरगंज में पप्पू यादव की गाय को भी चोर हांक ले गए। दोनों चोरी की घटनाएं कैमरे में कैद हुई हैं। पुलिस ने अब तक 25 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली है। फुटेज में दिख रहा है कि चोर गायों को हयात नगर नटवां की ओर ले गए। थाना प्रभारी अजित कुमार सिंह के अनुसार पुलिस टीम मामले की जांच में जुटी है। गौरा के मालिक प्रिंस जायसवाल ने गाय का पता लगाने या चोरों की जानकारी देने वाले को 10 हजार रुपए का इनाम और राह खर्च देने की घोषणा की है। पुलिस जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करने का दावा कर रही है।

पेयजल संकट को लेकर ग्रामीणों का धरना:47 गांवों के लिए बना प्लांट

नहीं हो रही शुरूआत; बंद करने की दी चेतावनी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मिर्जापुर, राजगढ़ स्थित ग्राम पंचायत खोराडीह में पेयजल संकट गहरा गया है। ग्रामीणों ने पानी की समस्या को लेकर धरना प्रदर्शन किया और ग्राम प्रधान महेश प्रसाद कोल को ज्ञापन सौंपा।

जल जीवन मिशन के तहत यहां एक पानी टंकी का प्लांट स्थापित किया गया है। इस प्लांट से 47 ग्राम पंचायतों में पानी की आपूर्ति का दावा किया जाता है। ग्राम पंचायत खोराडीह ने इसके लिए लगभग 5 बीघा जमीन भी दी। लेकिन अब तक एक भी मजरे में पानी की सप्लाई नहीं की गई है। गर्मी की शुरूआत से पहले ही जल स्तर नीचे जाने से पीने के पानी की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। आक्रोशित ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही पानी की आपूर्ति शुरू नहीं की गई, तो वे जल जीवन मिशन के प्लांट को बंद कर देंगे। ग्राम प्रधान महेश प्रसाद कोल ने बताया कि इस मामले की जानकारी पहले ही जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन और मुख्य विकास अधिकारी को दी जा चुकी है। लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। प्रदर्शन में गोपाल सिंह, अनिल सोनकर, अजय यादव, कल्लू कोल, धर्मेंद्र भारती, पुष्पा, फूलवंती, अनीता, सुनीता, इंद्रदेव विश्वकर्मा सहित सैकड़ों ग्रामीण शामिल हुए।

गलत इंजेक्शन लगने से क्लीनिक पर बुजुर्ग की मौत

परिजनों ने शव रखकर किया हंगामा, आरोपियों पर कार्रवाई की मांग

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, थाना रोजा क्षेत्र में एक बुजुर्ग की क्लीनिक में इंजेक्शन लगने के बाद मौत हो गई। मठिया कालोनी के 60 वर्षीय घासीराम को तबीयत खराब होने पर रोजा अड्डे के पास स्थित रस्तोगी क्लीनिक ले जाया गया था। परिजनों का आरोप है कि कंपाउंडर ने गलत इंजेक्शन लगा दिया। जिसके बाद बुजुर्ग की हालत बिगड़ गई। कुछ ही देर में उनकी मौत हो गई। घटना के बाद क्लीनिक स्टाफ मौके से भाग गया। आक्रोशित परिजनों ने शव को क्लिनिक के बाहर रखकर हंगामा किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को समझाया। पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन दिया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी राजीव कुमार ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट होगा। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

होली के अनोखे जुलूस की तैयारी शुरू

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, होली पर निकलने वाले देश के सबसे अनोखे जुलूस की तैयारियां प्रशासन ने शुरू कर दी हैं। डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह और एसपी राजेश एस ने जुलूस को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए विस्तृत योजना बनाई है। इस बार जुलूस मार्ग पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी। मकानों की छतों पर ड्रोन से निगरानी रखी जाएगी। प्रशासन ने निर्देश दिए कि छतों पर ईंट, पत्थर और लोहे की रॉड नहीं होना चाहिए। जुलूस मार्ग पर दोपहिया और चारपहिया वाहनों की आवाजाही पर रोक रहेगी। डीएम ने जुलूस मार्ग की व्यवस्थाओं को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। ढीले बिजली के तारों की मरम्मत, खुले ट्रांसफॉर्मर को ढकने और सड़कों के गड्ढों को भरने के आदेश दिए गए हैं। सीसीटीवी कैमरों से पूरे मार्ग की निगरानी की जाएगी। प्रशासन ने माहौल बिगाड़ने वालों को चिह्नित करना शुरू कर दिया है। एसपी ने स्पष्ट किया है कि शांति भंग करने की कोशिश करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। डीएम ने लोगों से अपील की है

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
4-कला एवं मनोरंजन संपादक
(भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण
(भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

काश पटेल ने भगवद गीता पर हाथ रखकर शपथ ली

एफबीआई डायरेक्टर पद की संभाली जिम्मेदारी; ट्रम्प बोले- वे सबसे काबिल अफसर बनेंगे

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, भारतवंशी कश्यप काश पटेल ने शनिवार को भगवद गीता पर हाथ रखकर अमेरिकी जांच एजेंसी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) के डायरेक्टर पद की शपथ ली। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक अमेरिकी अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी ने उन्हें पद की शपथ दिलाई। ट्रम्प के शपथ ग्रहण के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी उनकी तारीफ की और कहा कि वे ऋइक एजेंट्स के बीच काफी लोकप्रिय हैं, इसलिए वे उन्हें यह अहम जिम्मेदारी देना चाहते थे। ट्रम्प ने कहा कि उन्हें यकीन है कि पटेल अब तक के सबसे काबिल एफबीआई डायरेक्टर के रूप में जाने जाएंगे। पटेल बोले- अमेरिकन ड्रीम को जी रहा हूं काश पटेल एफबीआई का नेतृत्व करने वाले नौंवे अधिकारी हैं। उन्होंने शपथ लेने के बाद कहा कि कई लोग कहते हैं कि अमेरिकन ड्रीम खत्म हो चुका है। लेकिन उन्हें यह देखना चाहिए कि मैं अमेरिकन ड्रीम को जी रहा हूं। 2

रिपब्लिकन सीनेटर ने काश पटेल के खिलाफ वोटिंग की अमेरिकी सीनेट में काश पटेल की नियुक्ति की मंजूरी गुरुवार को 51-49 मतों के अंतर से मिली थी मिली। डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों के अलावा पटेल के विरोध में दो रिपब्लिकन सांसद सुसान कॉलिन्स और लिसा मर्कोव्स्की दोमात्र ने वोट किया था। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों को इस बात का डर है कि काश पटेल पद संभालने के बाद डोनाल्ड ट्रम्प के आदेशों का पालन करेंगे और उनके विरोधियों को निशाना बनाएंगे। गुजराती परिवार में जन्मे, माता-पिता युगांडा से भागे काश पटेल भारतीय प्रवासी के बेटे हैं। उनका जन्म एक गुजराती परिवार में हुआ था। काश पटेल के माता-पिता युगांडा के शासक ईदी अमीन के देश छोड़ने के फरमान से डरकर 1970 के दशक में भागकर कनाडा के रास्ते अमेरिका पहुंचे थे। 1988 में पटेल के पिता को अमेरिका की नागरिकता मिलने के बाद एक एरोप्लेन कंपनी में नौकरी मिली। 2004 में कानून की डिग्री हासिल करने के बाद जब पटेल को किसी बड़ी लॉ फर्म में नौकरी नहीं मिली तो उन्होंने एक सरकारी वकील के तौर पर काम करना शुरू कर दिया। हालांकि, ड्रीम जॉब के लिए उन्हें 9 साल तक इंतजार करना पड़ा। काश पटेल 2013 में वॉशिंगटन में न्याय विभाग में शामिल हुए। यहां तीन साल बाद 2016 में पटेल को खुफिया मामले से जुड़ी एक स्थायी समिति में कर्मचारी के रूप में नियुक्त किया गया। इस विभाग के चीफ डेविड नून्स थे, जो ट्रम्प के कट्टर सहयोगी थे। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रपति रहने के दौरान ट्रम्प ने 2019 में जो बाइडेन के बेटे के बारे में जानकारी जुटाने के लिए यूक्रेन पर दबाव बनाया था। इस वजह से विपक्ष उन पर नाराज हो गया। किसी कानूनी पचड़े से बचने के लिए ट्रम्प ने इस मामले में मदद के लिए सलाहकारों की एक टीम बनाई। इसमें काश पटेल का भी नाम था। तब उनका नाम देख हर किसी को हैरानी हुई थी। काश पटेल 2019 में ट्रम्प प्रशासन से जुड़ने के बाद तरक्की की सीढ़ियां चढ़ते गए। ट्रम्प प्रशासन में वे सिर्फ 1 साल 8 महीने रहे, लेकिन सबकी नजरों में आ गए। मैगजीन द अटलांटिक की एक रिपोर्ट में पटेल को ट्रम्प के लिए कुछ भी करने वाला शख्स बताया गया है।

ट्रम्प ने सबसे बड़े मिलिट्री अफसर को हटाया

अश्वेत आंदोलन को सपोर्ट किया था, जो 2020 में ट्रम्प के चुनाव हारने की बड़ी वजह बना

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार रात देश के सबसे बड़े मिलिट्री अफसर को अचानक हटा दिया। इस अफसर का नाम चार्ल्स सी क्यू ब्राउन जूनियर है, जो सेना के जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ (जेसीएस) के चेयरमैन थे। जेसीएस अमेरिका के रक्षा विभाग के सबसे सीनियर मिलिट्री लीडर्स का ग्रुप है। यह ग्रुप राष्ट्रपति, रक्षा मंत्री, होमलैंड सिक्योरिटी काउंसिल और नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल को सैन्य मामलों पर सलाह देता है। सी क्यू ब्राउन ने 2020 में ब्लैक लाइव्स मैटर आंदोलन का सार्वजनिक तौर पर

समर्थन किया था। यह आंदोलन अश्वेत जॉर्ज फ्लॉयड की हत्या के बाद शुरू हुआ था। तब सी क्यू एयरफोर्स के चीफ ऑफ स्टाफ थे। उस वक्त ट्रम्प राष्ट्रपति के पद पर थे। ट्रम्प के 2020 चुनाव में हुई हार के पीछे इस आंदोलन की बड़ी भूमिका मानी जाती है। ट्रम्प ने ब्राउन की जगह रिटायर्ड वायु सेना जनरल डैन केन को जेसीएस चेयरमैन पद की जिम्मेदारी सौंपी। ट्रम्प और डैन केन की मुलाकात 2018 में इराक में हुई थी। तब केन ने कहा था कि वे ट्रम्प के लिए जान भी दे सकते हैं। ट्रम्प ने बाइडेन सरकार पर आरोप लगाया- डैन केन का प्रमोशन नहीं किया गया, क्योंकि वे मेरे करीबी थी। वे 4 स्टार अफसर बनने के काबिल थे। चार्ल्स सी क्यू ब्राउन जूनियर के अलावा रक्षा विभाग के 5 और अफसरों को निकाला गया है। इनमें पहली बार नौसेना की जिम्मेदारी संभालने वाली महिला अफसर एडमिरल लिसा फ्रैंचेटी, एयर फोर्स के डिप्टी चीफ जेम्स स्लाइफ के अलावा आर्मी, एयरफोर्स और नेवी के 3 टॉप वकील शामिल हैं। फिलहाल इनके नामों का खुलासा नहीं हुआ है। अमेरिका में सरकार बदलने के बाद जेसीएस के चेयरमैन को बदलने का चलन नहीं है। वह चार का कार्यकाल पूरा करता है और दोनों प्रशासन के बीच पुल का काम करता है, लेकिन सी क्यू ब्राउन सिर्फ 16 महीने ही पद पर रह पाए। उन्हें 1 अक्टूबर 2023 को यह पद सौंपा गया था। सी क्यू ब्राउन अमेरिकी सैन्य इतिहास में दूसरे ब्लैक अफसर थे जो इस पद तक पहुंचे थे। वे 4 स्टार फाइटर पायलट हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने पद संभालने से पहले नवंबर में सी क्यू ब्राउन को हटाने का संकेत दिया था।

सलमान रुश्दी पर हमला करने वाला दोषी करार

हादी मतार ने चाकू से 15 वार किए थे, 32 साल की कैद हो सकती है

एजेंसी

न्यूयॉर्क, भारतीय मूल के लेखक सलमान रुश्दी पर चाकू से हमला करने वाले हादी मतार (27 साल) को न्यूयॉर्क की एक अदालत ने हत्या की कोशिश और हमले का दोषी माना है। मतार ने अगस्त 2022 में न्यूयॉर्क में एक कार्यक्रम के दौरान रुश्दी पर चाकू से 15 वार किए थे। रुश्दी के सिर, गर्दन, धड़ और बाईं हथेली पर गंभीर चोटें आई थीं। उनकी एक आंख की रोशनी चली गई थी। नस कट जाने से एक हाथ लकवाग्रस्त हो गया था। इसके अलावा उनके लीवर और आंतों को भी गंभीर नुकसान पहुंचा था। मतार की सजा की तारीख 23 अप्रैल तय की गई है। माना जा रहा है कि उसे अब 30 साल से ज्यादा जेल हो सकती है। रुश्दी ने कोर्ट में खुद गवाही दी, कहा- लगा कि मरने वाला हूं न्यूयॉर्क के चौटाउक्वा काउंटी कोर्ट में इस मामले की 2 सप्ताह तक सुनवाई चली। कोर्ट ने मतार को रुश्दी का इंटरव्यू ले रहे हेनरी कीज को घायल करने का भी दोषी माना। कीज को सिर में मामूली चोट लगी थी। रुश्दी पर जब यह हमला हुआ तब उस कमरे में 1000 से ज्यादा लोग थे। इस मामले में सुनवाई के दौरान 77 साल के सलमान रुश्दी ने खुद अदालत में गवाही दी। रुश्दी ने जूरी को बताया कि शुरू में उन्हें लगा कि हमलावर ने उन्हें मुक्का मारा है। लेकिन बाद में उन्हें एहसास हुआ कि उनके कपड़ों से बहुत ज्यादा खून निकल रहा है। उन पर कई बार चाकू से हमला हुआ।

भारतवंशी रूबी ढल्ला कनाडा पीएम की रेस से बाहर

चुनावी खर्च में गड़बड़ी पर अयोग्य करार, बोलीं- मेरा सपोर्ट बढ़ता देख पार्टी घबराई

एजेंसी

टोरंटो, भारतीय मूल की रूबी ढल्ला कनाडा में प्रधानमंत्री पद की रेस से बाहर हो गई हैं। लिबरल पार्टी ने शुक्रवार को उन्हें इस पद के लिए अयोग्य घोषित कर दिया। इसी के साथ उनके प्रधानमंत्री बनने की संभावना खत्म हो गई है। पार्टी की वोटिंग कमेटी की जांच में सामने आया कि रूबी ढल्ला ने चुनाव में खर्च समेत कुल 10 नियमों का उल्लंघन किया है। यह जानकारी लिबरल पार्टी के नेशनल डायरेक्टर आजम इस्माइल ने दी है। इस्माइल के मुताबिक ढल्ला ने

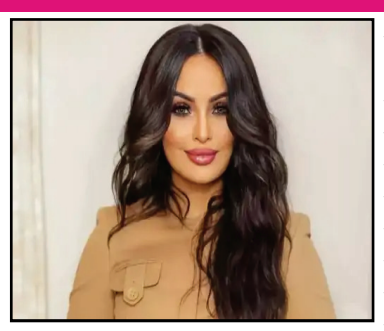

जरूरी चुनावी वित्तीय जानकारी का खुलासा नहीं किया था। साथ ही आरोप है कि उन्होंने जो वित्तीय जानकारी दी, वो भी गलत थी। रूबी ढल्ला ने अपने खिलाफ लगे आरोपों को झूठा और मनगढ़ंत बताते हुए खारिज कर दिया। उन्होंने दावा किया कि पार्टी उनके लिए लगातार बढ़ते सपोर्ट से घबरा गई है। रूबी ने कहा कि मुझे रेस से हटाने के लिए हथकंडों का इस्तेमाल किया गया। ये इस बात की पुष्टि करते हैं कि लोगों तक हमारा मैसेज पहुंच रहा था। हम जीत रहे थे और एस्टेब्लिशमेंट को हमसे खतरा महसूस हो रहा था। ढल्ला ने वकालत की प्रैक्टिस जारी रखने की बात कही। उन्होंने कहा कि मैं कनाडाई लोगों के लिए खड़ी रहूंगी और कनाडा के लिए लड़ूंगी। रूबी ढल्ला तीन बार की सांसद, बिजनेसवुमन और एक मोटिवेशनल स्पीकर भी हैं। उन्होंने शुरूआती दिनों में मॉडलिंग भी की है। रूबी 14 साल की उम्र से लिबरल पार्टी के साथ काम कर रही हैं। रूबी का मानना है कि उनके नेतृत्व में कनाडा चुनौतियों से बेहतर तरीके से निपट सकता है। उन्होंने देश में लगातार बढ़ रहे हाउसिंग कॉस्ट, क्राइम रेट, फूड प्राइस और अमेरिका की तरफ से मिल रही टैरिफ की धमकियों का मुद्दा उठाया है। रूबी का जन्म चंडीगढ़ के पास मुल्लानपुर से कनाडा आए पंजाबी प्रवासियों के घर मैनिटोबा के विनिपेग में हुआ था। रूबी ने करियर की शुरूआत मॉडलिंग से की थी और 1993 में मिस इंडिया-कनाडा प्रतियोगिता में दूसरे स्थान पर आई थीं।

'सब चंगा सी' का ढोल पीटने से ही फुर्सत नहीं, शिवराज के ट्वीट को लेकर कांग्रेस का मोदी सरकार पर तंज

एजेंसी

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को भोपाल से दिल्ली जाते समय टूटी सीट आवंटित होने पर एयर इंडिया की आलोचना की। उन्होंने इस मुद्दे पर चिंता जताई और कहा कि मामला बैठने में उनकी असुविधा के बारे में नहीं है, बल्कि यात्रियों को असुविधाजनक सीटों पर बैठाना अनैतिक है। इसको लेकर उन्होंने एक ट्वीट भी किया। अब इसी पर सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस ने शिवराज के बहाने मोदी सरकार पर निशाना साधा है और हर सेक्टर का भट्ठा बैठाने का आरोप लगाया है।कांग्रेस ने एक्स पर लिखा कि मोदी सरकार ने हर सेक्टर का भट्ठा बैठा दिया है। रेल में यात्री परेशान हैं। प्लेन में यात्री परेशान हैं। लोग शिकायत करते रहते हैं, वीडियो बनाते रहते हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं होती। एक्स पोस्ट में कहा गया है कि अब शिवराज जी को दिक्कत हुई है तो ट्वीट कर रहे हैं, हो सकता है इसपर एक्शन भी लिया जाए। लेकिन हालात सुधरने वाले नहीं हैं, क्योंकि कोई भी सिस्टम ऊपर से ठीक होता है। और ऊपर तो 'सब चंगा सी' का ढोल पीटने से ही फुर्सत नहीं. लोग परेशानी झेलते हैं। शिवराज ने

कांग्रेस ने एक्स पर लिखा कि मोदी सरकार ने हर सेक्टर का भट्ठा बैठा दिया है। रेल में यात्री परेशान हैं। प्लेन में यात्री परेशान हैं। लोग शिकायत करते रहते हैं, वीडियो बनाते रहते हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं होती।

इससे पहले अपने पोस्ट में लिखा था कि आज मुझे भोपाल से दिल्ली आना था, पूसा में किसान मेले का उद्घाटन, कुरुक्षेत्र में प्राकृतिक खेती मिशन की बैठक और चंडीगढ़ में किसान संगठन के माननीय प्रतिनिधियों से चर्चा करनी है। मैंने एयर इंडिया की फ्लाइट क्रमांक अक436 में टिकिट करवाया था, मुझे सीट क्रमांक 8उ आवंटित हुई। मैं जाकर सीट पर बैठा, सीट टूटी और अंदर धंसी हुई थी। बैठना तकलीफदायक था। जब मैंने विमानकर्मियों से पूछा कि खराब सीट थी तो आवंटित क्यों की? उन्होंने बताया कि प्रबंधन को पहले सूचित कर दिया था कि ये सीट ठीक नहीं है, इसका टिकट नहीं बेचना चाहिए। ऐसी एक नहीं और भी सीटें हैं। उन्होंने आगे कहा कि सहयात्रियों ने मुझे बहुत आग्रह किया कि मैं उनसे सीट बदल कर अच्छी सीट पर बैठ जाऊं लेकिन मैं अपने लिए किसी और मित्र को तकलीफ क्यों दूं, मैंने फैसला किया कि मैं इसी सीट पर बैठकर अपनी यात्रा पूरी करूंगा।

जो अपने काम में असफल होते हैं, वो लक्ष्य की समय-सीमा बदलते हैं : अखिलेश यादव

एजेंसी

लखनऊ । समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने वर्ष 2029 तक राज्य की अर्थव्यवस्था को एक हजार अरब डॉलर किये जाने के सरकार के दावे पर तंज कसते हुए कहा कि जो अपने काम में असफल होते हैं, वो लक्ष्य की समय-सीमा बदलते हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, जो अपने काम में असफल होते हैं, वो लक्ष्य की समय-सीमा बदलते हैं, देश-प्रदेश का भविष्य नहीं।उन्होंने राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, 2021 में भाजपाइयों ने कहा था कि 2024 तक उप्र की अर्थव्यवस्था एक ट्रिलियन डॉलर (एक हजार अरब डॉलर) की हो जाएगी और अब 2025 में कह रहे हैं, 2029 में उप्र की अर्थव्यवस्था एक ट्रिलियन डॉलर की हो जाएगी। यादव ने कहा, जनता को न इनके बीते कल के वादे पर विश्वास था, न आने वाले कल के दावे पर भरोसा है। झूठ भाजपा का पर्याय बन गया है। जनमानस कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा !उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा के अनुरूप प्रदेश एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। विधानसभा में शुक्रवार को प्रश्नकाल में समाजवादी पार्टी की विधायक डॉ रागिनी सोनकर के सवालों का जवाब देते हुए योगी ने कहा, पिछले आठ वर्ष की डबल इंजन की सरकार के प्रयास से यह दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बना है और 2029 में उप्र एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था भी बनेगा

'मधुमक्खियों के छत्ते पर पत्थर न फेंके': तमिलनाडु के सीएम ने केंद्र को दी कड़ी चेतावनी

एजेंसी

कुड्डालोर: तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने शुक्रवार 21 फरवरी को कुड्डालोर जिले के मंजाकुप्पम मैदान में आयोजित एक सरकारी समारोह में 704.89 करोड़ रुपये की लागत वाली 602 पूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन किया. 384.41 करोड़ रुपये की लागत वाली 178 नई परियोजनाओं की आधारशिला रखी. उन्होंने 44,689 लाभार्थियों को 386 करोड़ रुपये की कल्याण सहायता भी प्रदान की. मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला. कहा, सरकार तमिलनाडु में शिक्षकों और छात्रों को दिए जाने वाले 2,152 करोड़ रुपये देने से इनकार कर रही है. मैंने मुख्यमंत्री के तौर पर प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर इसे देने के लिए कहा है. केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने जवाब देते हुए कहा है, 'शिक्षा में राजनीति न करें'. क्या त्रिभाषी नीति लागू करना राजनीतिक नहीं है? क्या बहुभाषी भारत में एक-भाषा नीति राजनीतिक नहीं है? क्या किसी परियोजना के लिए धन की शर्तें लागू करना राजनीतिक नहीं है?

एमके स्टालिन द्वारा कुड्डालोर में घोषित नई परियोजनाएं:

थिट्टाकुडी और वृद्धाचलम क्षेत्रों में कृषि क्षेत्र के लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए वेलिंगटन झील के किनारों को मजबूत किया जाएगा तथा 130 करोड़ रुपये की लागत से नहर का पुनर्निर्माण किया जाएगा. मंजाकुप्पम स्टेडियम और आसपास के क्षेत्रों को 35 करोड़ रुपये की लागत से सार्वजनिक उपयोग के लिए विकसित किया जाएगा.

पश्चिम रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल मंडल, पश्चिम रेलवे
मंडल रेल प्रबंधक, वाणिज्य विभाग, एनएफआर अनुभाग, मुंबई सेंट्रल – मुंबई – 400 008

कार्य – मुंबई मंडल में विभिन्न एनएफआर मीडिया के जरिये विज्ञापनों का प्रदर्शन

नीलामी पुस्तिका क्र.	नीलामी का आरंभ (सभी लॉट्स)
MMCT-ADVT-24-77	04.03.2025 को 15.00 बजे

अ. क्र.	लॉट क्र.	स्थान /एरिया	दिवस	ई-नीलामी बंद होने की तिथि एवं समय
1	**ADVT- BCT-CCG-OH -400-25-1** (Advertising Out of Home)	03 वर्षों की अवधि हेतु रेलवे सीमा दीवार के भीतर, चर्चगेट तथा विरार स्टेशनों के बीच दीवार पेंटिंग के जरिए विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु थोक विज्ञापन अधिकार.	1096	04.03.2025 15:30 hrs.
2	**ADVT-EBW-S1-13EMUExt-25-1** (Advertising-Train Exterior (Below Window))	5 वर्षों की अवधि हेतु मुंबई मंडल, पश्चिम रेलवे में 13 नग ईएमयू (10 नग ईएमयू जिसमें प्रत्येक में 12 कोचेस/कार्स और 3 नग ईएमयू में प्रत्येक 15 कोचेस/कार्स युक्त) के बाहर की तरफ दीवार सतह (खिड़की के नीचे) पर विनाइल रैपिंग के जरिए विज्ञापन का प्रदर्शन.	1826	04.03.2025 15:40 hrs.
3	**ADVT-EBW-S1-15EMU12c-25-1** (Advertising - Train Exterior (Below Window))	5 वर्षों की अवधि हेतु मुंबई मंडल, पश्चिम रेलवे में 15 नग ईएमयू (प्रत्येक ईएमयू में 12 कोचेस) के बाहर की तरफ दीवार सतह (खिड़की के नीचे) पर विनाइल रैपिंग के जरिए विज्ञापन का प्रदर्शन.	1826	04.03.2025 15:50 hrs.

नीलामी पुस्तिका क्र.	नीलामी का आरंभ (सभी लॉट्स)
MMCT-ADVT-24-78	05.03.2025 को 15.00 बजे

1	**ADVT-BCT-MX-OH-396-25-1** (Advertising - Out of Home)	5 वर्षों की अवधि हेतु कुल 7700 वर्ग फीट डिसप्ले एरिया के साथ महालक्ष्मी आरपीएफ क्वार्टर्स में नये होर्डिंग स्ट्रक्चर्स के प्रतिस्थापन एवं मौजूदा होर्डिंग स्ट्रक्चर्स के विखंडन के जरिए विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु थोक विज्ञापन अधिकार.	1826	05.03.2025 15:30 hrs.

नीलामी पुस्तिका क्र.	नीलामी का आरंभ (सभी लॉट्स)
MMCT-ADVT-24-79	06.03.2025 को 15.00 बजे

1	**ADVT-BCT-GMN-OSN-382- 24-1** (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु ट्रैक्स के बीच रेलिंग्स पर गोरेगांव (जीएमएन) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1096	06.03.2025 15:30 hrs.
2	**ADVT-BCT-AML-OSN-397- 25-1** (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु अमलसाद स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1096	06.03.2025 15:40 hrs.
3	**ADVT-BCT-BYR-OSN-387- 24-1** (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु ट्रैक्स के बीच रेलिंग्स पर भायंदर (बीवाईआर) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1096	06.03.2025 15:50 hrs.
4	**ADVT-BCT-KILE-OSN-383- 24-1** (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु ट्रैक्स के बीच रेलिंग्स पर कांदिवली (केआईएलई) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1096	06.03.2025 16:00 hrs.
5	**ADVT-BCT-UVD-OSN-399- 25-1** (Advertising On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु उदवाडा स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1096	06.03.2025 16:10 hrs.
6	**ADVT-BCT-GTR-OSN-157- 23-2** (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	तीन वर्षों की अवधि हेतु ग्रांट रोड (जीटीआर) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1096	06.03.2025 16:20 hrs.
7	**ADVT-BCT-JOS-OSN-380- 24-1** (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु ट्रैक्स के बीच रेलिंग्स पर जोगेश्वरी (जेओएस) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1096	06.03.2025 16:30 hrs.
8	**ADVT-BCT-NIG-OSN-388- 24-1** (Advertising On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु ट्रैक्स के बीच रेलिंग्स पर नायगांव (एनआईजी) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1096	06.03.2025 16:40 hrs.
9	**ADVT-BCT-CYR-OSN-369- 24-1** (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु डिवाइडर विभाजक और प्लेटफॉर्म की दीवार पर चर्नी रोड (सीवाईआर) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1096	06.03.2025 16:50 hrs.
10	**ADVT-BCT-DIC-OSN-385- 24-1** (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु ट्रैक्स के बीच रेलिंग्स पर दहिसर (डीआईसी) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1096	06.03.2025 17:00 hrs.
11	**ADVT-BCT-NSP-OSN-390- 24-1** (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु ट्रैक्स के बीच रेलिंग्स पर नालासोपारा (एनएसपी) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1096	06.03.2025 17:10 hrs.
12	**ADVT-BCT-RMAR-OSN-381- 24-1** (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु ट्रैक्स के बीच रेलिंग्स पर राम मंदिर (आरएमएआर) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1096	06.03.2025 17:20 hrs.
13	**ADVT-BCT-BSR-OSN-389- 24-1** (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु ट्रैक्स के बीच रेलिंग्स पर वसई रोड (बीएसआर) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1096	06.03.2025 17:30 hrs.
14	**ADVT-BCT-UBR-OSN-398- 25-1** (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु उंबरगांव स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1096	06.03.2025 17:40 hrs.
15	**ADVT-BCT-MIRA-OSN-386- 24-1** Advertising - On Station. Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु ट्रैक्स के बीच रेलिंग्स पर मीरा रोड (एमआईआरए) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1096	06.03.2025 17:50 hrs.
16	**ADVT-BCT-BVI-OSN-384- 24-1** Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु ट्रैक्स के बीच रेलिंग्स पर बोरीवली (बीवीआई) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार.		06.03.2025 18:00 hrs.

टिप्पणी : संभावी बोलीकर्ताओं से अनुरोध है कि वे आईआरईपीएस वेबसाइट (**www.ireps.gov.in**) पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल का अवलोकन करें. लॉट अनुसार विवरण निर्दिष्ट पुस्तिका अंतर्गत उपलब्ध है. **1105**

Like us on: facebook.com/WesternRly | Follow us on: twitter.com/WesternRly

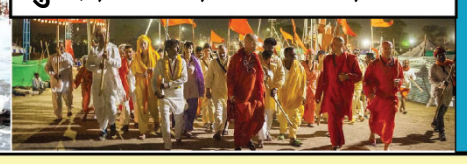

विभिन्न पर्व

पौष पूर्णिमा	मकर संक्रांत	मौनी आमावश्या	बसंत पंचमी	माघी पूर्णिमा	महा शिवरात्री
13/01/2025	14/01/2025	29/01/2025	03/02/2025	12/02/2025	26/02/2025

संक्षेप

नशा मुक्त अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई

दो अलग-अलग जगहों से 55 ग्राम स्मैक के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

अमेठी, पुलिस ने नशा मुक्त अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। कमरौली थाने की पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों से दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। दोनों के पास से कुल 55 ग्राम स्मैक बरामद हुई है। पहली कार्रवाई में उप निरीक्षक रविंद्र प्रताप सिंह ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई की। टीम ने जाफरगंज नाला पुलिया के पास मंगरौरा रोड से उमेश कुमार को पकड़ा। उमेश जागदीशपुर थाना क्षेत्र के करीडीह का रहने वाला है। उसके पास से 30 ग्राम स्मैक बरामद हुई। दूसरी कार्रवाई में उप निरीक्षक शिवमूर्ति यादव की टीम ने सिंदुरवा रेलवे क्रॉसिंग के पास से अब्दुल शाहिद को गिरफ्तार किया। अब्दुल कमरौली थाना क्षेत्र के पूरे ठकुराईन बरसंडा का रहने वाला है। उसके पास से 25 ग्राम स्मैक मिली।

जेवर लेकर घरेलू सामान देने का दिया झांसा

सुल्तानपुर में 2 महिलाओं ने 6 परिवारों से की ठगी, पुलिस कर रही तलाश

सुलतानपुर, चांदा थाना क्षेत्र में दो महिलाओं ने टप्पेबाजी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। महिलाओं ने दो गांवों में छह परिवारों को अपना शिकार बनाया। पहले पुराने बर्तनों के बदले नए बर्तन देकर विश्वास जीता। फिर कीमती जेवरात के बदले घरेलू सामान देने का झांसा देकर जेवर लेकर फरार हो गईं। किंदीपुर गांव में पहले दिन दो महिलाएं रामशब्द के घर पहुंचीं। उन्होंने पुराने बर्तनों के बदले नए बर्तन देकर विश्वास जीता। अगले दिन पांव का मीना और चांदी के जेवर लेकर उनके बदले नए जेवर और कुछ पैसे दिए। तीसरे दिन टीवी, फ्रिज, कूलर और वाशिंग मशीन देने का वादा कर इंद्रमती, उनकी बहू रीना और किरण से कीमती जेवर ले लिए। शाम 4 बजे तक सामान पहुंचाने का वादा कर वे फरार हो गईं। इसी तरह बड़ागांव में भी तीन महिलाओं को निशाना बनाया गया। सुनीता, गायत्री और कुंती से भी कीमती सामान देने का झांसा देकर जेवर ले लिया।

कुंभ के जल से नहाए जेल बंदी

प्रयागराज के संगम से लाया गया गंगाजल, पूजा के बाद हुआ स्नान

बांदा, जिला कारागार में एक अनूठी पहल की गई है। महाकुंभ के अवसर पर बंदियों को प्रयागराज के संगम से लाए गए पवित्र गंगाजल से स्नान कराया गया। जेल अधीक्षक अनिल कुमार गौतम और अन्य अधिकारियों ने विधिवत पूजन और आचमन किया। बंदियों के लिए एक गोलाकार स्थान घर पर गंगाजल की व्यवस्था की गई। जेल अधीक्षक ने बताया कि 144 साल बाद पड़ रहे इस दिव्य महाकुंभ का पुण्य बंदियों को भी मिले, इसलिए यह आयोजन किया गया।

प्रयागराज पहुंचे जेपी नड्डा, सीएम योगी संग महाकुंभ में लगाई पवित्र डुबकी

बड़े हनुमान के भी किए दर्शन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा आज महाकुंभ में पहुंचे। उनके साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। दोनों नेताओं ने पवित्र संगम में डुबकी लगाई। इससे पहले सीएम आदित्यनाथ ने महाकुंभ नगर में केंद्रीय मंत्री नड्डा का जोरदार स्वागत किया। इन दोनों प्रमुख नेताओं की त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाना महाकुंभ में मौजूद श्रद्धालुओं के बीच आकर्षण का केंद्र बन गया। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने लेटे हनुमानजी मंदिर में पूजा-अर्चना की। नड्डा ने संगम तट पर परिवार के साथ पूजा-अर्चना भी की। प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ का आयोजन 144 साल बाद हो रहा है। यह हिंदू धर्म के सबसे बड़े और महत्वपूर्ण धार्मिक कार्यक्रमों में से एक है। इस खास मौके पर लाखों श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा रहे हैं, जिसे धार्मिक प्रगति और पापों से मुक्ति का प्रतीक माना जाता है। 13 जनवरी से शुरू हुए महाकुंभ में हर दिन लाखों श्रद्धालु पहुंच रहे हैं, जिनकी कुल संख्या 600 मिलियन से अधिक है। महाकुंभ मेला प्रशासन के मुताबिक, प्रयागराज महाकुंभ में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 60 करोड़ से ज्यादा हो गई है। शनिवार को दोपहर तक 71.18 लाख से अधिक श्रद्धालु पवित्र त्रिवेणी में स्नान कर चुके थे। महाकुंभ का आखिरी स्नान 26 फरवरी को महा शिवरात्रि पर होने वाला है। अब तक स्नान करने वाले कुल श्रद्धालुओं की संख्या का विश्लेषण करें तो मौनी अमावस्या के दौरान सबसे अधिक संख्या, लगभग 8 करोड़, ने स्नान किया। मकर संक्रांति पर साढ़े तीन करोड़ श्रद्धालुओं ने अमृत स्नान किया. 1 फरवरी और 30 जनवरी को 20 मिलियन से अधिक श्रद्धालुओं ने स्नान किया और पौष पूर्णिमा पर 17 मिलियन श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान किया। इसके अलावा, बसंत पंचमी पर 25.7 मिलियन श्रद्धालुओं ने स्नान किया, जबकि माघी पूर्णिमा पर 20 मिलियन से अधिक श्रद्धालुओं ने स्नान किया।

महाकुंभ में 59 करोड़ श्रद्धालु आए, प्रयागराज वाले 'हाउस अरेस्ट'

दो महीने से स्कूल बंद, ऑफिस आने-जाने में 5 घंटे लग रहे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, महाकुंभ में 59 करोड़ से ज्यादा लोग संगम स्नान कर चुके हैं। इसकी वजह से शहरी लोगों को तमाम तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोग अपने ही घरों में एक तरह से लॉक होकर रह गए हैं। शहर में एक चौराहे से दूसरे चौराहे तक जाने में लोगों को 4 से 5 घंटे लग रहे हैं। साथ ही रोजमर्रा के सामान जैसे दूध, ब्रेड मिलने में भी बहुत दिक्कत हो रही है। वढ बोर्ड ने 24 फरवरी को होने वाली 10वीं-12वीं की परीक्षा रद्द कर दी है। उस दिन की परीक्षा बाद में कराई जाएगी। जगह-जगह बैरिकेडिंग से लोग अपने रोजाना के काम भी नहीं कर पा रहे हैं। अमृत स्नान निपटने के बाद ऐसा माना जा रहा था कि अब शहर में भीड़ कम होगी, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। रोजाना एक करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु आ रहे हैं। स्कूल बंद, कॉलेज और यूनिवर्सिटी पहुंचने में देरी शहर के लगभग सभी स्कूल बंद हैं। दो महीने से यही स्थिति है। ऑनलाइन क्लास चल रही हैं। यहां तक कि परीक्षा छूटने पर दूसरी डेट में कराने की प्रशासन ने घोषणा की है। कॉलेज और यूनिवर्सिटी में समय पर छात्र और टीचर नहीं पहुंच पा रहे हैं। इसकी वजह से पढ़ाई पर असर पड़ रहा है।

छात्रों का कहना है कि सिर्फ स्टडी मटेरियल से पढ़ाई कैसे होगी, जब तक प्रॉपर क्लास नहीं चलेगी। छात्रा हिमांशी उपाध्याय कहती हैं- कॉलेज जाने में देर हो जाती है।

बस स्टेशन की मांग

- सपा विधायक ने परिवहन मंत्री को दिया पत्र, हाईवे पर खड़ी बसों से जाम और हादसों का खतरा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, जिले के मुख्यालय गौरीगंज में बस स्टेशन की कमी एक बड़ी समस्या बन गई है। 2010 में जिला बनने के बाद भी यहां अभी तक बस स्टेशन नहीं बन पाया है। वर्तमान में रोडवेज बसों को सुल्तानपुर-रायबरेली मार्ग पर गौरीगंज ब्लॉक कार्यालय के सामने खड़ा किया जाता है। यह स्थान जिले के प्रमुख अधिकारियों के कार्यालयों के पास है। हाईवे पर बसों के खड़े होने से आए दिन जाम की स्थिति बनती है और दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहता है। इस समस्या के समाधान के लिए समाजवादी पार्टी के विधायक राकेश प्रताप सिंह ने परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह से मुलाकात की। उन्होंने मंत्री को एक पत्र सौंपा, जिसमें गौरीगंज में बस स्टेशन बनवाने की मांग की गई है। यातायात व्यवस्था होगी सुचारु इसके साथ ही अन्य जिलों से आने वाली बसों के ठहराव और जिला मुख्यालय से विभिन्न क्षेत्रों में बस सेवाओं के संचालन की भी मांग की गई है। परिवहन मंत्री ने विधायक की मांगों को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया है। यह कदम क्षेत्र के यातायात व्यवस्था को सुचारू करने में मददगार साबित हो सकता है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में मिली नई जिंदगी

165 जोड़ों की शादी, कार्यक्रम में नहीं पहुंचे जनप्रतिनिधि और सांसद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। लंभुआ ब्लॉक परिसर में आयोजित इस समारोह में कुल 165 जोड़ों ने विवाह के बंधन में बंधे। इस कार्यक्रम में लंभुआ ब्लॉक से 84, भदैंया ब्लॉक से 77 और प्रतापपुर कमैचा ब्लॉक से 4 जोड़ों ने हिस्सा लिया।

सभी हिंदू जोड़ों की शादी वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न हुई। एडीओ समाज कल्याण विपिन कुमार यादव ने बताया कि इस योजना में प्रत्येक जोड़े पर सरकार 51 हजार रुपए खर्च करती है।

इसमें से 35 हजार रुपए सीधे दुल्हन के खाते में भेजे जाते हैं। साथ ही 10 हजार रुपए की गृहस्थी सामग्री और आभूषण दिए जाते हैं। शेष 6 हजार रुपए भोजन और टेंट की व्यवस्था में खर्च होते हैं। कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण अधिकारी अमित सिंह, बीडीओ लंभुआ आलोक वर्मा, ब्लॉक प्रमुख कुंवर बहादुर सिंह और भदैंया ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र वर्मा सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। सभी ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया और सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की। हालांकि, आमंत्रित किए गए कई जनप्रतिनिधि और सांसद कार्यक्रम में नहीं पहुंचे।

कार की टक्कर से साइकिल सवार दादा-पोते घायल

- अमेठी के जिला अस्पताल में 7 साल के मासूम की मौत, दादा की हालत गंभीर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

तहसील, मुंशीगंज चंदौकी के पास शनिवार दोपहर को तेज रफ्तार कार ने साइकिल को टक्कर मार दी। साइकिल पर डारीडीह निवासी श्यामलाल (55) अपने 7 वर्षीय नाती आदित्य के साथ सवार थे। दोनों चंदौकी से दवा लेकर घर लौट रहे थे। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दादा-पोते दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को पहले सीएचसी मुसाफिरखाना ले जाया गया। वहां से दोनों की गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान आदित्य ने दम तोड़ दिया। श्यामलाल की हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने मृतक बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे में शामिल कार को कब्जे में ले लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस दुर्घटना से मृतक के परिवार में शोक की लहर है।

विकास कार्यों की धीमी रफ्तार पर सीडीओ सख्त

निर्माण कार्यों की जांच, श्रमिक अनुपस्थिति मिले; अधिकारियों को नोटिस

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) सूरज पटेल ने भादर ब्लॉक का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने खंड विकास अधिकारी कार्यालय में मनरेगा सेल का निरीक्षण किया, जहां अभिलेखों का रखरखाव और स्वच्छता की स्थिति खराब पाई गई। कार्यालय परिसर में निमार्णाधीन आवासीय और अनावासीय भवन के निरीक्षण के दौरान कोई श्रमिक मौजूद नहीं मिला। सीडीओ ने आवास विकास के अधिशासी अभियंता को कारण बताओ नोटिस जारी करने के आदेश दिए। उन्होंने परियोजना को निर्धारित मानकों और गुणवत्ता के साथ जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। ग्राम पंचायत बालीपुर डुहिया में मनरेगा योजना के तहत चल रहे तालाब खुदाई कार्य का निरीक्षण किया गया। यहां श्रमिक काम करते हुए मिले। सीडीओ ने निर्देश दिया कि तालाब के चारों ओर वृक्षारोपण किया जाए और उनकी देखभाल की जाए। काम तेज करने का निर्देश स्वच्छ भारत मिशन के तहत बन रहे आरआरसी के निरीक्षण में कंसल्टिंग इंजीनियर गैरहाजिर मिले। जल जीवन मिशन की ग्रामीण पाइप पेयजल परियोजना में काम धीमा चल रहा था। सीडीओ ने जल निगम के अधिशासी अभियंता को काम तेज करने और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

पात्रों तक पहुंचे लाभ अंत में, सीडीओ ने सभी अधिकारियों को सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने का निर्देश दिया। बीडीओ भादर को सभी निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी और विस्तृत जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया।

मछली विक्रेता ने की आत्महत्या

- 15 दिन पहले सूरत से लौटे थे, पारिवारिक कलह बनी वजह, कमरे में लगाई फांसी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

बांदा, पारिवारिक विवाद से परेशान एक मछली विक्रेता ने आत्महत्या कर ली। परशुराम तालाब के पास रहने वाले 60 वर्षीय मायाराम चमरौडी चौराहे पर मछली का व्यवसाय करते थे। चार महीने पहले मायाराम अपनी पत्नी गुड़िया और दो बेटियों शीतल व कुमकुम के साथ सूरत चले गए थे। वहां मजदूरी करके परिवार का पालन-पोषण कर रहे थे। एक वारंट के मामले में वह 15 दिन पहले अकेले बांदा लौट आए थे। उनकी पत्नी और बेटियां अभी भी सूरत में हैं। घटना के दिन मायाराम ने अपने कमरे में मफलर से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। काफी समय बाद उनके छोटे बेटे शिवम ने कमरे का दरवाजा खटखटाया। कोई जवाब नहीं मिलने पर वह पड़ोसी की छत से घर में कूदा। कमरे में जाकर देखा तो पिता का शव फंदे पर लटका हुआ था। शिवम ने बताया कि उनके माता-पिता के बीच अक्सर विवाद होता था। पिता लगातार उन्हें फोन करके अपनी परेशानी बताते थे। पारिवारिक कलह से परेशान होकर ही उन्होंने यह कदम उठाया।

तेज रफ्तार स्कूटी ने ली युवक की जान

सड़क पार करते समय मारी टक्कर, 2 घायल; परिजन बोले- आरोपी नशे में था

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

बांदा, एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई है। कमासिन थाना क्षेत्र में देर शाम को हुई इस घटना में तेज रफ्तार स्कूटी ने सड़क पार कर रहे पिंटू को टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी सवार सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने सभी घायलों को कमासिन सीएचसी में भर्ती कराया। अस्पताल में डॉक्टरों ने पिंटू को मृत घोषित कर दिया। अन्य दो घायलों का इलाज जारी है। मृतक के परिजनों ने स्कूटी चालक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि स्कूटी चालक शराब के नशे में था। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने पंचनामा भरकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

दहेज के लिए पत्नी को घर से निकाला

बाइक नहीं लाने पर पति ने दी दूसरी शादी की धमकी, एसपी के आदेश पर केस दर्ज

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, बल्दीराय थाना क्षेत्र मके महमूदपुर गांव में दहेज प्रताड़ना का एक मामला सामने आया है। एक महिला ने अपने पति और ससुराल वालों के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए एसपी से शिकायत किया। जिस पर शनिवार को मुकदमा दर्ज कराया गया है। पीड़िता की शादी 23 मई 2021 को सैय्यद इस्तेखार अली से हुई थी। शादी में परिवार ने अपनी हैसियत के अनुसार दहेज और नकद राशि दी थी। लेकिन ससुराल पक्ष इससे संतुष्ट नहीं हुआ। पीड़िता का आरोप है कि उसके पति, जेठ सेराज अहमद, देवर मुजफ्फर और सास किस्मत बानो लगातार अतिरिक्त दहेज की मांग करते रहे। वे चार पहिया वाहन, स्कूटी और बाइक की मांग कर रहे थे।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर ट्रैवलर वैन डिवाइडर से टकराई

अयोध्या से दिल्ली जा रहे थे श्रद्धालु, 7 महिलाओं समेत 9 लोग घायल

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर एक बड़ा हादसा हुआ है। अयोध्या से दिल्ली जा रही श्रद्धालुओं की ट्रैवलर वैन डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में सात महिलाओं समेत 9 लोग घायल हो गए। घटना बाजार शुकुल थाना क्षेत्र के पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर किलोमीटर संख्या 50 के पास हुई। श्रद्धालु अयोध्या में प्रभु श्री राम का दर्शन करके दिल्ली लौट रहे थे। हादसा तब हुआ जब ट्रैवलर वैन एक पिकअप को ओवरटेक कर रही थी। इस दौरान वैन अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। सभी को पहुंचाया गया अस्पताल घायलों ने तुरंत 112 पर फोन किया।

कार की टक्कर से साइकिल सवार दादा-पोते घायल

अमेठी के जिला अस्पताल में 7 साल के मासूम की मौत, दादा की हालत गंभीर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी तहसील, मुंशीगंज चंदौकी के पास शनिवार दोपहर को तेज रफ्तार कार ने साइकिल को टक्कर मार दी। साइकिल पर डारीडीह निवासी श्यामलाल (55) अपने 7 वर्षीय नाती आदित्य के साथ सवार थे। दोनों चंदौकी से दवा लेकर घर लौट रहे थे। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दादा-पोते दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को पहले सीएचसी मुसाफिरखाना ले जाया गया। वहां से दोनों की गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान आदित्य ने दम तोड़ दिया। श्यामलाल की हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने मृतक बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे में शामिल कार को कब्जे में ले लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा एफ.एल.टी.-एल.जी.-75, आर.एम. 4/4, इंदिरा नगर, सुंदर बाग, आर.डी. कुर्ला (प.) मुम्बई, 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं एस.आर. पब्लीकेशन, मोहन अर्जून कम्पाउंड गोदाम नं. 8,9,10 नीयर घाटन पाड़ा, वैशाली नगर, लास्ट बस स्टाप, दहिसर (पूर्व), मुम्बई 400068 महाराष्ट्र से मुद्रित।। सम्पादक- खुशीराम शर्मा ।।

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 02248253669,8097049935,9935750291 RNI No-MAHHIN2017/74173 संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001 भारत संवाद सिटी ऑफिस- फ्लैट नंबर 24, सेकंड फ्लोर, कांटेक्टर बिल्डिंग, ब्लार्ड स्टेट, वजू कोटक मार्ग, शहीद भगत सिंह रोड, फोर्ट, मुंबई 400001 महाराष्ट्र।